RNI-UPHIN/2009/30721

मंगलवार 25 नवंबर 2025

सूर्योदय प्रातः 06 :51 बजे

सूर्यास्त सांय 17 : 25 बजे

www.khabariya.com

एनसीआर टुडे

करंट न्यूज करंट व्यूज

पृष्ठ 4 अपनी सोच खुद बदले तो दुनिया बदल जाएगी

उत्तर प्रदेश और दिल्ली से एक साथ प्रकाशित | वर्ष : 17 | अंक : 039 | गाजियाबाद, मंगलवार 25 नवंबर 2025 | मूल्य : ₹ 2 | पेज : 06 | विक्रमी संवत् 2081 | युगाब्द 5126 | शाक 1946

पंचायती राज मंत्रालय 26 नवंबर को मनाएगा राष्ट्रव्यापी संविधान दिवस

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷। पंचायती राज मंत्रालय ने घोषणा की है कि वह 26 नवंबर को संविधान दिवस के अवसर पर पूरे देश में भव्य और व्यापक कार्यक्रमों का आयोजन करेगा। पंचायती राज मंत्रालय ने आज बताया कि यह राष्ट्रीय अभियान त्रि-श्तरीय पंचायती राज संस्थाओं और ग्रामीण स्थानीय निकायों में आयोजित किया जाएगा जिसका समन्वय राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के पंचायती राज विभागों के सहयोग से होगा। मंत्रालय के सचिव विवेक भारद्वाज के नेतृत्व में 26 नवंबर को सुबह 11 बजे वरिष्ठ अधिकारियों और कर्मचारियों की उपस्थिति में संविधान की प्रस्तावना का पाठ किया जाएगा। उन्होंने कहा कि देश भर की पंचायतें संविधान दिवस कार्यक्रम में शामिल होंगी।

दुबई एयर शो के दौरान प्लेन क्रैश के बाद मदद के लिए भारत ने यूएई सरकार को दिया धन्यवाद

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷। दुबई एयरशो के दौरान हुए राफेल क्रैश की घटना में विंग कमांडर नमांश स्याल की मौत हो गई। दुबई के विदेश मंत्रालय ने इस घटना पर दुख जताया। वहीं भारतीय विदेश मंत्रालय ने यूएई के विदेश मंत्रालय को धन्यवाद दिया। भारत के विदेश मंत्रालय ने यूएई का धन्यवाद करते हुए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, "यूएई के विदेश मंत्रालय, आपकी एकजुटता के लिए धन्यवाद। हम यूएई सरकार और लोगों की भावनाओं की हम सराहना करते हैं।"

दिग्गज अभिनेता धर्मेन्द्र का निधन पुत्र सनी देओल ने दी मुखाग्नि

✷ वेबवार्ता. मुंबई ✷

भारतीय सिने जगत के दिग्गज अभिनेता धर्मेन्द्र का सोमवार सुबह यहां निधन हो गया। वह 89 वर्ष के थे।

धर्मेन्द्र ने अपने आवास पर अंतिम सांस ली। वह कुछ दिनों से अस्वस्थ चल रहे थे। उनका आज अपराह्न विले पार्ले स्थित पवन हंस श्मशान भूमि में अंतिम संस्कार कर दिया गया। उनके बड़े बेटे और अभिनेता सनी देओल ने उन्हें मुखाग्नि दी। उनकी पत्नी और जानी मानी अभिनेत्री हेमा मालिनी, पुत्री इशा देओल और परिवार के अन्य सदस्य अंतिम विदाई देने के लिए श्मशान स्थल पर पहुंचे थे।

धर्मेन्द्र को अंतिम विदाई देने उनके दोश्त महानायक अमिताभ बच्चन तथा फिल्म जगत की कई हश्तियां पहुंची। इनमें शबाना आज़मी , गोविंदा, आमिर खान, अभिषेक बच्चन, सलमान खान, अक्षय कुमार, संजय दत्त,रणवीर सिंह ,दीपिका पादुकोण तथा जायद खान शामिल थे। मशहूर स्क्रिप्ट राइटर सलीम खान भी उनके अंतिम संस्कार में पहुंचे। धर्मेन्द्र को सांस लेने में दिक्कत के कारण 10 नवंबर को ब्रीच कैंडी हॉस्पिटल में भर्ती किया गया था और 12 नवंबर को परिवार के कहने पर अस्पताल से छुट्टी दे दी गयी थी। इसके बाद से घर पर ही उनका इलाज चल रहा था।

धर्मेन्द्र का जन्म पंजाब के फगवाड़ा में 08 दिसंबर 1935 को हुआ था। उन्होंने वर्ष 1960 में प्रदर्शित फिल्म दिल भी तेरा हम भी तेरे से अपने सिने करियर की शुरूआत की थी। धर्मेन्द्र ने अपने छह दशक लंबे सिने करियर में 250 से अधिक फिल्मों में अभिनय किया था।

धर्मेन्द्र का निधन कला जगत के लिए अपूरणीय क्षति : बिरला

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा कि प्रसिद्ध फिल्म अभिनेता और पूर्व सांसद धर्मेन्द्र का निधन अभिनय और कला जगत के लिए अपूरणीय क्षति है। श्री बिरला ने अपने शोक संदेश में कहा "सुप्रसिद्ध फिल्म अभिनेता, पूर्व सांसद धर्मेंद्र का निधन अत्यंत दुःखद है।

मुर्मू, राधाकृष्णन, राजनाथ ने अभिनेता धर्मेंद्र के निधन पर जताया शोक

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, उपराष्ट्रपति सी पी राधाकृष्णन तथा रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने मशहूर अभिनेता धर्मेंद्र के निधन पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए उनके निधन को भारतीय सिनेमा जगत के लिए अपूरणीय क्षति बताया है।

श्रीमती मुर्मू ने अपने शोक संदेश में कहा 'दिग्गज अभिनेता और पूर्व सांसद धर्मेंद्र जी का निधन भारतीय सिनेमा के लिए एक बड़ी क्षति है। सबसे लोकप्रिय अभिनेताओं में से एक, उन्होंने अपने दशकों लंबे शानदार करियर के दौरान कई यादगार भूमिकाएं निभाई हैं। भारतीय सिनेमा की एक महान हश्ती के रूप में, वह ऐसी विरासत छोड़ गए हैं जो कलाकारों की युवा पीढ़ी को हमेशा प्रेरित करती रहेगी। उनके परिवार के सदस्यों, दोश्तों और प्रशंसकों के प्रति मेरी हार्दिक संवेदना।'

उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने कहा 'पूर्व सांसद एवं दिग्गज अभिनेता धर्मेंद्र जी का निधन भारतीय सिनेमा के लिए एक अपूरणीय क्षति है। लाखों लोगों को अपनी कला दीवाना बनाने वाले इस कलाकार ने अपने उल्लेखनीय प्रदर्शन और कला के प्रति दृढ़ समर्पण के माध्यम से भारतीय सिनेमा के कैनवास को समृद्ध किया है। भारतीय फिल्म उद्योग में सबसे प्रशंसनीय शख्सियतों में से एक रहे अभिनेता धर्मेंद्र अपने पीछे एक कालातीत विरासत छोड़ गए हैं जो कलाकारों की पीढ़ियों को प्रेरित करती रहेगी। उनके परिवार, दोश्तों और असंख्य प्रशंसकों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं। ॐ शांति।'

श्री राजनाथ सिंह ने कहा 'प्रसिद्ध हिंदी फिल्म अभिनेता एवं पूर्व सांसद धर्मेंद्र जी के निधन से अत्यंत दुख हुआ। उन्होंने अपने बेजोड़ आकर्षण और ईमानदारी से कई यादगार किरदारों को जीवंत बना दिया। भारतीय सिनेमा में उनके उल्लेखनीय योगदान को हमेशा याद किया जाएगा। उनके शोक संतप्त परिवार और अनगिनत प्रशंसकों के प्रति मेरी हार्दिक संवेदना।'

जस्टिस सूर्यकांत ने CJI के रूप में ली शपथ पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल ने दी बधाई

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

जस्टिस सूर्यकांत ने सोमवार को देश के 53वें मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) के रूप में शपथ ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने उन्हें पद की शपथ दिलाई।

शपथ ग्रहण के बाद देशभर से उन्हें शुभकामनाएं मिलने का सिलसिला शुरू हो गया। कई बड़े नेता, न्यायिक जगत से जुड़े लोग और आम नागरिक भी उन्हें बधाइयां दे रहे हैं।

इसी बीच दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने भी जस्टिस सूर्यकांत को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने अपने ऑफिशियल एक्स हैंडल पर एक ट्वीट करते हुए लिखा कि भारत के 53वें मुख्य न्यायाधीश के रूप में शपथ लेने के लिए जस्टिस सूर्यकांत को हार्दिक बधाई। न्यायपालिका को और मजबूत बनाने तथा संविधान की गरिमा को बनाए रखने में उनके सफल कार्यकाल के लिए शुभकामनाएं।

गौरतलब है कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू

ने सोमवार को राष्ट्रपति भवन में आयोजित समारोह में जस्टिस सूर्यकांत को भारत के नए चीफ जस्टिस के तौर पर शपथ दिलाई। उनके कार्यकाल की अवधि 9 फरवरी 2027 तक रहेगी।

इस मौके पर देश-विदेश से आए कई बड़े नेता और न्यायिक हश्तियां मौजूद थीं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला, भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा, पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ और पूर्व सीजेआई बी.आर. गवई समेत कई प्रमुख लोग समारोह का हिस्सा बने। खास बात यह रही कि भूटान, केन्या, मलेशिया, ब्राजील, मॉरिशस, नेपाल और श्रीलंका के मुख्य न्यायाधीश और सुप्रीम कोर्ट के जज भी इस कार्यक्रम में शामिल हुए।

जस्टिस सूर्यकांत ने पूर्व सीजेआई भूषण आर. गवई की जगह कार्यभार संभाला है। उन्हें यह पद राष्ट्रपति द्वारा संविधान के आर्टिकल 124 के क्लॉज (2) के तहत मिली शक्तियों के आधार पर नियुक्त किया गया। यह नियुक्ति सीजेआई गवई की आधिकारिक सिफारिश के बाद हुई।

अब जब जस्टिस सूर्यकांत ने बतौर मुख्य न्यायाधीश शपथ ले ली है तो हर कोई उम्मीद कर रहा है कि वह अपने कार्यकाल में न्यायपालिका को और मजबूत करेंगे, लंबित मामलों को कम करने की दिशा में कदम उठाएंगे और आम लोगों को न्याय दिलाने की प्रक्रिया को और आसान व पारदर्शी बनाएंगे। उनके कार्यकाल की अवधि करीब 15 महीने होगी।

सीबीआई ने लखनऊ में अमेरिकी नागरिकों को निशाना बनाने वाला अवैध कॉल सेंटर कराया बंद, फरार आरोपी गिरफ्तार

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने लखनऊ में एक अवैध कॉल सेंटर का भंडाफोड़ करते हुए अंतरराष्ट्रीय साइबर अपराध गिरोह के एक अहम फरार आरोपी विकास कुमार निम्मार को गिरफ्तार किया है। यह कॉल सेंटर अमेरिकी नागरिकों को निशाना बनाकर ठगी कर रहा था।

सीबीआई के अनुसार, एजेंसी ने 24 सितंबर 2024 को दर्ज एक मामले की जांच के दौरान यह कार्रवाई की। एजेंसी इससे पहले सितंबर 2024 में पुणे, हैदराबाद और विशाखापत्तनम में चल रहे आरोपी से जुड़े चार अवैध कॉल सेंटरों को भी ध्वश्त कर चुकी है। ये कॉल सेंटर वीसी इंफ्रोमेट्रिक्स प्राइवेट लिमिटेड के नाम से संचालित होते थे और इनके संचालन में विकास निम्मार की मुख्य भूमिका थी। मामला दर्ज होने के बाद से विकास निम्मार फरार था।

उसकी गिरफ्तारी के लिए सीबीआई ने मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी, पुणे की अदालत से वारंट प्राप्त किया। इसके बाद इसी साल 20 नवंबर को उसे लखनऊ स्थित उसके घर से गिरफ्तार किया गया। तलाशी के दौरान सीबीआई ने उसके घर से 14 लाख रुपये नकद, मोबाइल फोन और साइबर अपराध से जुड़े कई महत्वपूर्ण दश्तावेज बरामद किए। इसी दौरान एजेंसी को लखनऊ में संचालित उसका एक और अवैध कॉल सेंटर मिला।

नोएडा में रेलटेल के सिल्वर जुबली डेटा सेंटर का भूमिपूजन, डिजिटल इंडिया को मिलेगी नई ताकत

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

रेलटेल कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड ने सोमवार को नोएडा में अपने आगामी सिल्वर जुबली डेटा सेंटर के लिए भूमिपूजन किया।

रेल मंत्रालय के तहत नवरत्न सीपीएसई रेलटेल द्वारा विकसित किया जा रहा यह 10 मेगावाट क्षमता वाला डेटा सेंटर टेक्नो इलेक्ट्रिक एंड इंजीनियरिंग कंपनी लिमिटेड (टीईईसीएल) के सहयोग से बनाया जाएगा। इस अवसर पर रेलटेल कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक संजय कुमार, निदेशक (वित्त) वी. राम मनोहर राव, निदेशक पीओएम मनोज टंडन, निदेशक एनपीएम यशपाल सिंह तोमर सहित वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने परियोजना के लिए रेलटेल टीम को भेजे अपने शुभकामना संदेश में कहा कि नोएडा में 10 मेगावाट डेटा सेंटर की स्थापना डिजिटल इंडिया मिशन के अनुरूप है। यह घरेलू डेटा सेंटर भारत की डेटा लोकलाइजेशन आवश्यकताओं को पूरा करेगा और राष्ट्रीय डेटा सुरक्षा को मजबूत बनाएगा।

करीब 17,000 वर्ग मीटर में विकसित हो रहा यह अत्याधुनिक डेटा सेंटर नोएडा फेज-2 में होगा, जो उत्तर प्रदेश के उभरते डिजिटल और औद्योगिक कॉरिडोर का प्रमुख केंद्र है।

यह डेटा सेंटर होस्टिंग, को-लोकेशन और मैनेज्ड सर्विसेज सहित अत्याधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराएगा।

कपडा बाजार में कांग्रेस के नगर अध्यक्ष ने लगवाया एसआईआ. कैंप

✷ एनसीआर टुडे. नहटौर ✷। कपड़ा बाजार में एसआईआर हेल्प डेस्क कैंप का भव्य एवं सफल आयोजन किया गया। यह कैंप नगर कांग्रेस कमेटी नहटौर, के तत्वावधान में जिला अध्यक्ष श्रीमती हेनरीता, राजीव सिंह के कुशल नेतृत्व में कार्यक्रम संपन्न हुआ। कार्यक्रम मे आयोजन में विशेष सहयोग एवं मार्गदर्शन देने वालों में प्रमुख रूप से नगर अध्यक्ष जहाँगीर (सुईट), अमित त्यागी, नदीम अहमद, परवेज़ इक़बाल, तस्लीम मंसूरी, मोहम्मद रब्बानी, आफताब अंसारी, अज़मत हुसैन, खलील अहमद, लईक अहमद, आफताब अहमद व कांग्रेसजन शामिल रहे। दर्जनों कार्यकर्ता एवं नगर वासी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। कैंप में क्षेत्र की जनता की समस्याएं सुनी गईं तथा इसआईआर योजना से जुड़ी हर प्रकार की जानकारी एवं सहायता उपलब्ध कराई गई। नगर अध्यक्ष जहाँगीर सुईट ने सभी उपस्थित लोगों एवं आयोजन में सहयोग देने वाले सभी कांग्रेसजनों, विशेष रूप से सहयोग देनेवालो का हार्दिक धन्यवाद व्यक्त किया तथा कांग्रेस पार्टी की जनसेवा और जनकल्याण की प्रतिबद्धता को दोहराया।

विधानसभा मे लगातार चौथे दिन भरवाए विशेष (एसआईआर) गणना प्रपत्र

✷ एनसीआर टुडे. नगीना ✷। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा उत्तर प्रदेश में चलाए जा रहे विशेष गहन पुनरीक्षण (एस.आई.आर) कार्यक्रम के क्रम में नगीना विधानसभा के बूथ संख्या 312, 317, 318, 321, 323 एवं 324 का संयुक्त रूप से कैंप लगाकर अभियान प्रपत्र भरवाए कार्यक्रम में लगभग 600 लोगों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एस.आई.आर) प्रपत्र भरवाए। इस अवसर पर भाजपा नेता रोहित रवि ने बताया कि वह इस कार्यक्रम को लेकर स्थानीय एवं प्रभावशाली लोगों के साथ मिलकर लगातार जागरूकता अभियान चला रहे हैं। जानकारी विधानसभा वासियों को दी जा रही है। इस अवसर पर भाजपा नेता रोहित कुमार रवि, सभासद पति बदर मुनीम, विवेक चाहर,लेखपाल सचिन कुमार, बी. एल. ओ. बूथ 324 अलका देवी,राजपाल सिंह, बी.एल.ओ. बूथ संख्या 323 जयपाल सिंह, बी.एल.ओ. बूथ संख्या 312 राकेश कुमार, बी.एलओ. बूथ संख्या 318 तरुण कुमार, बी.एल.ओ. बूथ संख्या 327 राकेश कुमार, करण कुमार योगेंद्र कुमार, अमन सिंह, अमित कुमार एवं स्थानीय लोग उपस्थित रहे।

पुलिस बल के साथ अतिक्रमण हटाओ अभियान नगर पालिका ने चलाया

✷ एनसीआर टुडे. नहटौर ✷। नहटौर नगर पालिका ने पुलिस बल के साथ मिलकर अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया। नहटौर नगर में शुरू हुए इस अभियान के तहत जेसीबी की मदद से कई दुकानों के टीन शेड हटाए गए और अतिक्रमण करने वाले दुकानदारों का सामान जब्त किया गया। पालिका ने सोमवार तक सभी अतिक्रमण पूरी तरह हटाने के निर्देश दिए हैं। यह अभियान नगर पालिका के अधिशासी अधिकारी (ईओ) ओम गिरी के नेतृत्व में चलाया गया। पालिका की टीम ने धामपुर और कोतवाली देहात मार्ग पर रोडवेज बस स्टैंड तक अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की। अभियान के दौरान अतिक्रमण न हटाने वाले कई दुकानदारों का सामान जब्त किया गया। तीन दुकानों के सामने लगे टीन शेड हटाए गए और कई दुकानदारों के चालान भी काटे गए। एक शराब की दुकान पर भी जांच की गई, जहां दुकानदारों से नगर पालिका द्वारा जारी किए जाने वाले लाइसेंस मांगे गए। अतिक्रमण हटाओ अभियान के दौरान दुकानदारों में अफरा-तफरी का माहौल रहा। चालान काटने के बाद सभी अतिक्रमणकारियों को सोमवार तक अपने अतिक्रमण पूरी तरह हटाने के लिए निर्देशित किया गया है।

इकोटेक-16 को मुख्य सड़कों से जोड़ने की तैयारी

✷ एनसीआर टुडे. ग्रेटर नोएडा ✷

नए औद्योगिक सेक्टर इकोटेक-16 में आवागमन सुगम बनाने के लिए 80, 60 और 24 मीटर चौड़ी सड़क बनाई जाएगी। प्राधिकरण ने निविदा जारी कर इसकी तैयारी शुरू कर दी गई है। इस सेक्टर को 130 मीटर चौड़ी सड़क के साथ दादरी जीटी रोड से भी जोड़ा जाएगा।

प्राधिकरण के अधिकारी के मुताबिक सेक्टर इकोटेक- 16 सुनपुरा, खेड़ी और धूममानिकपुर गांव की जमीन पर बसाया जा रहा है। इस सेक्टर में सोलर कंपनी अवाडा इलेक्ट्रो प्राइवेट लिमिटेड को 25-25 एकड़ के दो भूखंड आवंटित किए जा चुके हैं,जबकि अन्य भूखंडों के आवंटन की प्रक्रिया चल रही है। यहां निवेशकों और अन्य लोगों को दिक्कत न हो इसके लिए सड़कों के निर्माण की कार्ययोजना पर काम शुरू कर दिया गया है।

अधिकारी के मुताबिक, सेक्टर के चारों तरफ 80 मीटर और 60 मीटर चौड़ी सड़क बनाई जाएगी। 80 मीटर सड़क चार लेन और 60 मीटर सड़क दो लेन की होगी।

हरित क्षेत्र भी विकसित किया जाएगा। वहीं, सेक्टर के अंदर की मुख्य सड़क 24 मीटर चौड़ी होगी। वरिष्ठ प्रबंधक नरोत्तम सिंह ने बताया कि सड़क बनाने के लिए निविदा जारी कर दी गई है।

इस पर लगभग 43 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। निविदा की प्रक्रिया पूरी कर अगले एक से दो माह में काम शुरू करा दिया जाएगा। इस सेक्टर को 130 मीटर सड़क से जोड़ने के लिए लगभग तीन किलोमीटर लंबी सड़क का निर्माण किया जाएगा,जो भनौता गांव के पास जुड़ेगी। बता दें कि 130 मीटर चौड़ी सड़क सीधे ग्रेटर नोएडा और ग्रेटर नोएडा वेस्ट को जोड़ती है। इसका विशतार यमुना प्राधिकरण क्षेत्र तक किया जाना प्रशतावित है। यह सेक्टर दादरी जीटी रोड से भी जुड़ जाएगा। ऐसे में औद्योगिक सेक्टर में आने वाले माल वाहक वाहनों के जाम में फंसने की समस्या नहीं पैदा होगी। 130 मीटर सड़क के किनारे इकाइयां लगेंगी ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण ने 130 मीटर चौड़ी सड़क के किनारे औद्योगिक इकाई स्थापित करने की योजना बनाई है। उद्यमी भी इसके आसपास निवेश करने को इच्छुक हैं। इसके लिए औद्योगिक सेक्टरों में जमीन की खरीदारी के साथ जरूरी विकास कार्य कराए जा रहे हैं। सेक्टर इकोटेक-8 और 9 130 मीटर सड़क के किनारे ही स्थित हैं।

ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के एसीईओ सुमित यादव, ने बताया कि जेवर में बन रहे नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के चलते निवेश की संभावनाएं बढ़ गई हैं। इकोटेक-16 में सड़कों के निर्माण के लिए निविदा जारी कर दी गई है। जल्द काम शुरू कराया जाएगा। इस संबंध में वर्क सर्किल के अधिकारियों को दिशा निर्देश दिए गए हैं। इससे औद्योगिक निवेश को बढ़ावा मिलेगा।

संदिग्ध परिस्थितियों में होटल में मृत मिला

✷ एनसीआर टुडे. नोएडा ✷

थाना सेक्टर 63 क्षेत्र के छीजारसी कॉलोनी स्थित एक होटल के कमरे 45 वर्षीय एक व्यक्ति संदिग्ध परिस्थितियों मृत मिला। यह जानकारी पुलिस ने दी। पुलिस ने बताया कि शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

थाना सेक्टर 63 के प्रभारी निरीक्षक अवधेश प्रताप सिंह ने बताया कि रविवार रात को पुलिस को चोटपुर कॉलोनी स्थित एक होटल के कर्मियों ने सूचना दी की विकास पुत्र उदित नारायण, मूल निवासी जनपद कटिहार, बिहार होटल में रुके हुए थे और उनके कमरे का दरवाजा खटखटाने के बाद भी नहीं खुल रहा है।

उन्होंने बताया कि सूचना के आधार पर मौके पर पहुंची पुलिस ने कमरे का दरवाजा खोला तो व्यक्ति बिश्तर पर मृत मिला। उन्होंने बताया कि मौत का कारण स्पष्ट नहीं होने के चलते पुलिस ने शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

थाना प्रभारी ने बताया कि व्यक्ति के परिजनों को घटना के बारे में सूचना दे दी गई है। उन्होंने बताया कि शव का पोस्टमार्टम करवाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के कारण का पता चलेगा।

राम मंदिर ध्वजारोहण पर बोले सपा सांसद अवधेश प्रसाद- सारा कामधाम छोड़ कर नंगे पैर जाऊंगा

अयोध्या, एजेंसी। रामनगरी अयोध्या एक बार फिर भव्य और दिव्य स्वरूप में सजने को पूरी तरह तैयार है।25 नवंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अयोध्या आएंगे और राम मंदिर के शिखर पर भगवा ध्वज फहराकर ऐतिहासिक ध्वजारोहण समारोह का शुभारंभ करेंगे।इस बीच राम मंदिर ध्वजारोहण को लेकर सियासत भी शुरू हो गई है।दो दिन पहले जहां सत्य सनातन धर्म प्रचारक दिवाकराचार्य महाराज ने अयोध्या के सपा सांसद अवधेश प्रसाद पर सार्वजनिक कार्यक्रमों में दिखाई नहीं देने का आरोप लगाया था वहीं अब सांसद ने कहा है कि उन्हें अभी तक राम मंदिर ध्वजारोहण समारोह का न्योता नहीं मिला है।यदि मुझे न्योता मिला तो सारा काम धाम छोड़कर मैं नंगे पैर ही वहां जाऊंगा।एक निजी चैनल से बातचीत में सपा सांसद अवधेश प्रसाद ने कहा कि तुलसीदास जी ने लिखा भी है–दैहिक दैविक भौतिक तापा।राम राज नहिं काहुहि ब्यापा।यह मान्यता थी लेकिन भाजपा की सरकार ने जो प्रभु श्रीराम के राज की मान्यताएं थीं उन मान्यताओं को बिगाड़ दिया है।उधर, इटावा से सपा सांसद जितेंद्र दोहरे ने भी तंज कसते हुए कहा कि राम मंदिर के ध्वजारोहण जैसे धार्मिक कार्यक्रम में पीएम के जाने का क्या मतलब है।यह कोई राजनीतिक कार्यक्रम थोड़े है।वहीं भाजपा प्रवक्ता एसएन सिंह ने कहा कि सपा नेताओं को अयोध्या की भव्यता चुभती है।वे अनर्गल प्रलाप करते हैं।अयोध्या के सांसद अवधेश प्रसाद ने दावा किया कि स्थानीय सांसद और अयोध्या का नागरिक होने के नाते वह कार्यक्रम की तैयारियों पर भी नजर रखे हुए हैं।उन्होंने कहा कि वह तैयारियां देखने गए भी थे।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आगमन के चलते तैयारियां सरकारी लोगों के ऊपर है।प्रदेश और देश के तमाम सुरक्षा कर्मी आए हैं।कहा कि स्थानीय सांसद होने के नाते, अयोध्या में पैदा होने नाते मेरी भी नैतिक जिम्मेदारी और सोच है।इसीलिए कल भी गया था।आज भी जाऊंगा।सपा सांसद ने कहा कि मैं बहुत खुश हूं। मेरे ऊपर प्रभु श्रीराम, हनुमान जी, मां सीता और सरयू माई की कृपा है।

कांग्रेस अकेले लड़ेगी बीएमसी चुनाव

मुंबई, एजेंसी।
महाराष्ट्र में मुंबई निकाय चुनाव को लेकर माहौल गर्म है। पार्टियों के बनते बिगड़ते गठबंधन के बीच कांग्रेस पार्टी ने यह चुनाव अकेले लड़ने का ऐलान कर दिया है। शिवसेना उद्धव गुट और राज ठाकरे की एमएनएस की बढ़ती नजदीकियों को देखते हुए कांग्रेस की तरफ से यह फैसला लिया गया है। इस मामले में जानकार लोगों की माने तो कांग्रेस का यह फैसला उत्तर भारतीय और मुस्लिम मतदाताओं को बचाने की उसकी चिंता से उपजा है, लेकिन इसने महा विकास आघाडी (एमवीए) में वैचारिक मतभेदों को भी उजागर कर दिया है।

कांग्रेस के इस फैसले के बाद उद्धव गुट ने भी खलबली मची है। उद्धव गुट ने कांग्रेस से इस फैसले पर एक बार फिर से पुनर्विचार करने का अनुरोध किया है। हालांकि, बई कांग्रेस इकाई की अध्यक्ष वर्षा गायकवाड़ अकेले चुनाव लड़ने पर अडिग हैं। लेकिन कांग्रेस के लिए स्थिति हालांकि विचित्र है, क्योंकि महा विकास अघाडी के एक अन्य घटक, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) ने मनसे को साथ लेकर चुनाव लड़ने का समर्थन किया है।

गायकवाड़ के नेतृत्व में कांग्रेस के एक प्रतिनिधिमंडल ने हाल ही में चुनावी गठबंधन पर चर्चा के लिए एनसीपी (शप) अध्यक्ष शरद पवार से मुलाकात की। राजनीतिक विशेषज्ञों के अनुसार, शिवसेना (उबाठा) को उम्मीद है कि पवार विपक्षी एकता के लिए कांग्रेस आलाकमान को मनसे के प्रति अपना रुख नरम करने के लिए मना लेंगे, जिसका साझा लक्ष्य भाजपा को हराना है। राकांपा (शरदचंद्र पवार) नेता जितेंद्र अव्हाड ने कहा कि पार्टी कार्यकर्ताओं ने पवार से कहा है कि एमवीए सहयोगियों और भाजपा विरोधी दलों को मुंबई नगर निकाय चुनाव एक साथ लड़ना चाहिए।

कांग्रेस के एक नेता ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि मनसे के साथ गठबंधन को लेकर कांग्रेस में दो राय हैं। मनसे अपनी 'धरती-पुत्र' वाली राजनीति और उत्तर भारतीय प्रवासियों के खिलाफ आक्रामक रुख के लिए जानी जाती है। उन्होंने कहा, ÷(मुंबई चुनावों के लिए) गठबंधन का विरोध करने वाले नेताओं का मानना है कि शिवसेना (उबाठा) सीट के बंटवारे में अपनी बढ़त बनाए रखना चाहेगी, जैसा कि पिछले साल लोकसभा और विधानसभा चुनावों में हुआ था। मुंबई के नेता यहां पार्टी की स्थिति मजबूत करना चाहते हैं।÷ उन्होंने बताया कि कांग्रेस नेताओं के एक वर्ग का मानता है कि राज ठाकरे के बदलते राजनीतिक रुख के कारण उन पर भरोसा नहीं किया जा सकता।

ओल्ड गुरुग्राम मेट्रो रूट में आ रही जमीन का बढ़ा मुआवजा देने की तैयारी

गुरुग्राम , एजेंसी। ओल्ड गुरुग्राम मेट्रो रूट में आ रही जमीन का बढ़ा मुआवजा देने की तैयारी शुरू हो गई है। गुरुग्राम मेट्रो रेल लिमिटेड (जीएमआरएल) ने मेट्रो की जमीन अधिग्रहण नीति तैयार की है। इस नीति को मुंबई मेट्रो की तर्ज पर बनाया गया है। अगले एक सप्ताह में नगर एवं ग्राम नियोजन विभाग की तरफ से इसका नोटिफिकेशन जारी कर दिया जाएगा।

ओल्ड गुरुग्राम मेट्रो के पहले चरण में निर्माण में हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण (एचएसवीपी) की तरफ से सेक्टर-नौ में आवंटित प्लॉट नंबर 1-एसपी आ रहा है। प्लॉट मालिक ने इसके ऊपर मकान का निर्माण किया हुआ है। इस तरह सेक्टर-चार के दो मकान मेट्रो के दूसरे चरण के निर्माण के बीच में आ रहे हैं। एचएसवीपी की तरफ से प्लॉट नंबर 949पी और 950 आवंटित हैं। जिला उपायुक्त की अध्यक्षता गठित समिति ने इन मकान मालिकों से बातचीत की है। एक अधिकारी ने बताया कि इन मकान मालिकों ने वैकल्पिक प्लॉट मांगा है। बाजार की कीमत के हिसाब से निर्माण की एवज में मुआवजा मांगा है। ओल्ड गुरुग्राम मेट्रो के तहत सेक्टर-33 में मेट्रो डिपो का निर्माण होना है। डेढ़ एकड़ में 100 लेबर रूम बने हुए हैं। जीएमआरएल की तरफ से करवाए गए सर्वे में सामने आया है कि पहले और दूसरे चरण के निर्माण में 38 मकान और दुकान ऐसे आ रहे हैं, जिनके पास रजिस्ट्री है। 121 मकान

और दुकान अवैध रूप से बने हुए हैं। अधिकांश निर्माण गांव बसई में फ्लाईओवर के आसपास हैं। इसके अलावा कुछ दुकान अस्थायी तौर पर चलाई जा रही हैं। जीएमआरएल के एक अधिकारी के मुताबिक मेट्रो नीति की खासियत यह होगी कि मुआवजा अतिशीघ्र प्रभावित लोगों को मिल जाएगा। भूमि अधिग्रहण नीति में मुआवजा जारी करने में काफी समय लग जाता है। इस नीति में जिला उपायुक्त की अध्यक्षता में एक समिति का गठन होगा।

कट्टरपंथ की ओर धकेलने वालों पर होगी सबसे कड़ी कार्रवाई

जम्मू, एजेंसी। जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने उच्च स्तरीय सुरक्षा समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की। उन्होंने अधिकारियों को आतंकवाद के समर्थकों और युवाओं को कट्टरपंथ की ओर धकेलने की कोशिश करने वालों के खिलाफ सबसे कड़ी कार्रवाई करने का निर्देश दिया। सिन्हा ने अधिकारियों से आतंकवादियों के खिलाफ खुफिया अभियानों को तेज करने कहा। साथ ही, आतंकी संगठनों की ओर से कट्टरपंथ और वित्तपोषण के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले डिजिटल मंचों की निगरानी के लिए ठोस प्रयास करने को भी कहा। बैठक को संबोधित करते हुए उपराज्यपाल ने जम्मू-कश्मीर पुलिस को आतंकवादी नेटवर्क को ध्वस्त करने में त्वरित प्रतिक्रिया के लिए बधाई दी। मनोज सिन्हा ने कहा कि आतंकवाद के वित्तपोषण, नार्को-आतंकवाद संबंधों, आतंकी समर्थकों के खिलाफ बड़े पैमाने पर कार्रवाई के साथ आतंकवाद का मुकाबला करने पर ध्यान केंद्रित किया जा रहा है। उन्होंने आतंकवाद के खिलाफ कतई सहन नहीं करने की नीति पर जोर दिया। सिन्हा ने कहा, 'हमारे समन्वित प्रयास यह सुनिश्चित करेंगे कि जम्मू-कश्मीर से आतंकवादी पारिस्थितिकी तंत्र पूरी तरह से खत्म हो जाएं।' सूत्रों के मुताबिक, सिन्हा ने जम्मू-कश्मीर में सुरक्षा परिदृश्य की समीक्षा करने के साथ-साथ, सर्दियों की तैयारियों, खासकर अंतरराष्ट्रीय सीमा और नियंत्रण रेखा के हालात का भी जायजा लिया। उन्हें जम्मू-कश्मीर में टेरर इकोसिस्टम को खत्म करने के लिए उठाए जा रहे कदमों के बारे में भी जानकारी दी गई। आधिकारिक प्रवक्ता ने बताया कि बैठक में जम्मू-कश्मीर के मुख्य सचिव अटल डुल्लू, पुलिस महानिदेशक नलिन प्रभात, पुलिस मुख्यालय के विशेष महानिदेशक एसजेएम गिलानी, प्रमुख सचिव चंद्राकर भारती और एडीजीपी, सीआईडी, नीतीश कुमार शामिल हुए।

अयोध्या जी, बहुत सुलभ हैं रामलला के दर्शन

अशोक मधुप/वरिष्ठ पत्रकार

रामलला के दर्शन के लिए यदि अयोध्या जी जा रहे हैं तो निश्चित होकर जाएं। ये मानकर जाए कि भगवान के घर जा रहे हैं। उनकी शरण में जा रहे हैं। बस फिर किसी चिंता की जरूरत नहीं। दर्शन के लिए किसी की सिफारिश मत कराइए। सीधे जाइए। दर्शन करिए और 20 से 30 मिनट में दर्शन कर मंदिर से बाहर आ जाइए। हमारा दावा है विश्व के किसी भी धर्म के तीर्थस्थल से इससे ज्यादा सुलभ दर्शन कहीं संभव नही हैं।

राम मंदिर आज हिंदुओं का प्रमुख तीर्थ बन गया है। प्रतिदिन 80 हजार से एक लाख भक्त राम लला के दर्शन कर उन्हें प्रणाम करते हैं। कई अवसर पर तो ये संख्या डेढ़ लाख से ज्यादा हो जाती है। आज दुनिया भर में बसे लगभग हर सनातनी के मन में एक ही इच्छा है किसी तरह वह अयोध्या जाकर राम मंदिर के दर्शन कर सके। भगवान राम को शीष नवाए। हाल ही में हम पत्रकारों के एक सम्मेलन में अयोध्या जी में थे। रामलला के दर्शनों के लिए आ रही श्रद्धालुओं की भीड़ को देख मेरे एक साथी लखनऊ के वरिष्ठ पत्रकार दिनेश शर्मा ने कहा था कि अयोध्या जी आने वाले समय में हिंदुओं का प्रमुख श्रद्धा का केंद्र होगा। यहां प्रत्येक हिंदू सनातनी आकर शीश नवाना अपने जीवन का एक लक्ष्य बनाएगा। शीश नवाकर अपने को कृतार्थ मानेगा।

अयोध्या में राम मंदिर बनने से पहले कभी श्रद्धालुओं को संकरी गलियों से गुजरने के बाद टेढ़े मेढ़े और उभर खाबड़ राश्तों से गुजरकर मंदिर तक पहुंचना होता था। आम श्रद्धालुओं के लिए ये यात्रा और कितनी दुरूह रहती होगी, यह समझते बनता है। इस सबके बावजूद यहां आने वाले श्रद्धालुओं का उत्साह और जोश देखते बनता था।अब मंदिर परिसर बन गया। भव्य मंदिर बन गया। 25 नंवबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मंदिर पर भव्य ध्वजारोहण करेंगे। भव्य समारोह होगा। इस आयोजन के प्रत्यक्षदर्शी बनने के लिए दुनिया भर से हजारों प्रमुख व्यक्ति आ रहे है। उम्मीद है कि ध्वजारोहण के दिन अयोध्या में वीवपीआई पी के एक सौ के आसपास जेट आएंगे।

अयोध्या आने वाला प्रत्येक श्रद्धालु इस बात को लेकर आंशकित होता हैं, कि इतनी भीड़ में दर्शन कैसे होंगे? पूजा कैसे होगी ? प्रसाद कैसे चढ़ेगा? सब चाहते हैं कि मंदिर आगमन की स्मृति फोटो के रूप में अपने पास सुरक्षित रखें। यहां स्थिति अन्य मंदिर से बिल्कुल भिन्न है। यहां न पूजा की व्यवस्था है, न प्रसाद चढ़ने का प्रबंध। यहां पूजन कराने वाले पुजारी भी नही है। यहां तो बस मंदिर आइए। राम लला के दर्शन करिए। प्रभु को शीश नवाइए और बाहर आ जाइए। यहां प्रसाद लेकर जाने की जरूरत नही है। मंदिर की ओर से प्रत्येक श्रद्धालु को प्रसाद मिलता है। मंदिर परिसर में मोबाइल वर्जित है। परेशानी उन्हें होती है जो सुरक्षा कर्मियों की नजर बचाकर मोबाइल मंदिर में लेकर जाना चाहते हैं।

सुरक्षा जांच में मोबाइल पकड़ा जाता है। इन मोबाइल ले जाने वालों को लौटकर मंदिर के गेट पर आकर लॉकर में फोन रखकर फिर दर्शन को जाना पड़ता है। इस तरह इन्हें अन्य श्रद्धालुओं से एक डेढ़ किलोमीटर ज्यादा चलना होता है। मंदिर में अपना सामान करने के लिए लॉकर की व्यापक व्यवस्था है, किंतु इस काम में लगभग आधा घंटा लग जाता है। अच्छा यह है कि अपना पर्स, लैदर की बैल्ट, मोबाइल और कैमरा अपने कमरे पर छोड़ कर आए। अपनी आईडी और जरूरत के लिए रुपये अपनी जेब में रखलें। हमने ऐसा ही किया। इससे मंदिर के लॉकर में सामान जमा करने का हमारा आधे से एक घंटा बच गया। हम दर्शन कर 20 से 25 मिनट में मदिर से बाहर आ गए। व्हील चेयर लेने वालों और दिव्यांग के लिए तो और सुविधा है। उनका जाने का राश्ता अलग से है।

भारत के उत्तर-प्रदेश राज्य में स्थित अयोध्या, जो पारंपरिक रूप से एक अलग त्वरित तीर्थ-नगर थी, अब आधुनिकता और भक्ति के संगम का उदाहरण बनती जा रही है। खास कर राम जन्मभूमि (जिसके अंतर्गत राम मंदिर का निर्माण हुआ) के बाद इस नगर में बड़े पैमाने पर विकास कार्य चल रहे हैं। ये कार्य सिर्फ धार्मिक दृष्टिकोण से नहीं, बल्कि सामाजिक-आर्थिक एवं पर्यावरणीय दृष्टिकोण से भी महत्वपूर्ण हैं। यहां 15 16 करोड़ के करीब यात्री अब प्रतिवर्ष आने लगे हैं। आने वाले समय में यह संख्या और बढ़ेगी ही।

इस बढ़ती संख्या ने होटल, गेस्ट-हाउस, परिवहन-सेवाएँ, स्थानीय व्यापार व स्मृति-चिंतन (souvenir) उद्योग को गति दी है। अतः अयोध्या अब सिर्फ भक्ति-की जगह नहीं बल्कि एक सेवा-आधारित अर्थव्यवस्था (हॉस्पिटैलिटी, रिटेल, परिवहन) का केन्द्र बनती जा रही है। इस प्रकार मंदिर-के पश्चात अयोध्या की पहचान बदल रही है। अब अयोध्या "भक्ति नगर" से "भक्ति + विकास नगर" की ओर बढ़ रही है।विकास-यात्रा में पहुँचना और सहज अनुभव देना अहम है। इसलिए अयोध्या में कई बुनियादी संरचना-परियोजनाएँ लाई गई हैं।

एयर-कनेक्टिविटी के लिए महर्षि वाल्मीकि अंतर्राष्ट्रीय हवाईअड्डा का निर्माण हुआ है। इसमें आने वाले चरणों में टर्मिनल विशतार व रनवे विशतार भी शामिल है। अयोध्या में रेलवे स्टेशन व आधुनिकीकृत सड़कें बनायी गई हैं। अयोध्या धाम रेलवे स्टेशन विश्व का श्रेष्ठतक रेलवे स्टेशन बनाने का प्रयास है। यहां यात्रियों के लिए तीन सौ के आसपास डार्मेट्री और कुछ रिटायरिंग रूम बनाये गए हैं। अन्य काम जारी है।

राम मंदिर के आसपास के तीर्थ स्थलों के लिए पैदल जाने के लिए मार्ग विकसित किया जा रहा है। इसे भक्ति पथ नाम दिया गया यह मार्ग, रामपथ से निकलता हुआ मंदिर के आसपास श्रद्धालुओं के चलने-वाले हिस्सों को सजाता है एवं पैदल यात्रियों के लिए खास व्यवस्था करता है। इसमें दुकानों-घरों को अलग रंग-रूप दिया गया है। भक्ति पथ वाले हिस्सों में 'सफ़ेद एवं भोरका' रंग के बजाय एक विशिष्ट सजावट का उपयोग हुआ है। भक्ति पथ मंदिर-मार्ग के उन हिस्सों को सूचीबद्ध करता है जहाँ पैदल-यात्रा अधिक होती है, अतः इस तरह से इसका उद्देश्य अभ्यागतों को आरामदायक एवं सुरक्षित चलने-वाले मार्ग देना है।

राम मंदिर तक पंहुच के मार्ग का नाम राम पथ दिया गया है।यह एक प्रकार से रिंग रोड जैसा है।इस मार्ग को भव्य रूप दिया जा रहा। यह मार्ग लगभग 13 किलोमीटर लंबा है और प्रमुख रूप से सहादतगंज से लेकर नया घाट (या नायाघाट) तक जाता है। इस मार्ग के दोनों किनारों पर दुकानों-घरों की एकरूप रूप से मरम्मत एवं पेंटिंग की गई है। सभी को एक समान रंग-रूप में सजाया गया है।

सड़क को चौड़ा किया गया है और मुख्य रूप से 40 फीट या उससे अधिक चौड़ाई वाला बना कर बनाया गया है ताकि भीड़-भाड़ व आने-जाने में आराम हो सके। लाईटिंग-सिस्टम, फावड़े-प्लांटर्स, पेड़-पौधे, फुटपाथ, मिडियन में धार्मिक प्रतीक-श्तंभ जैसी सुविधाएं लगाई गई हैं।

स्थानीय प्रशासन ने श्रद्धालुओं के लिए इस मार्ग पर गोल्फ कार्ट (इलेक्ट्रिक बग्गी) चलाई है। इसका प्रतियात्री किराया 20 रुपया रखा गया है।इस किराए के से आप इस मार्ग के किसी भी स्थान तक जा सकतें हैं।इन सरकारी गोल्फ कार्ट के कारण ईरिक्शा चालक भी मनमाने दाम नही वसूल कर पाते। पुरानी परंपरा के हिस्से के रूप में 84 कोसी परिक्रमा मार्ग को श्रद्धा-परिक्रमा मार्ग नाम दिया गया है। इसे राष्ट्रीय राजमार्ग का दर्जा (एनएच-227B) मिला है। इससे अयोध्या और आसपास के तीर्थस्थलों का जुड़ाव बढ़ा है। इसको भी भव्य रूप दिया जा रहा है। इसके पुलों और फ्लाई ओवर के दोनों ओर भगवान राम के जीवन से संबधित झांकी बनाई जा रही है। नगर के बीच से एक पंचकोसी प्रतिक्रमा के विकास पर भी काम चल रहा है। इन परिवहन सुधारों से न केवल तीर्थ-यात्रियों की सहजता बढ़ी है बल्कि स्थानीय व्यापार-संवाद व रोजगार-अवसरों में भी इजाफा हुआ है। आधुनिक विकास सिर्फ बड़ी इमारतें या सड़कें नहीं बल्कि बेहतर जीवन-मान और पर्यावरण-संगत विकास भी है।

अयोध्या में इस दिशा में कई कदम उठाए गए हैं। अयोध्या को 'मॉडल सोलर सिटी' घोषित किया गया है। ४० मेगावाट का सौर संयंत्र सरयू नदी के किनारे स्थापित किया गया है। इससे शहर की मांग की लगभग २५-३० प्रतिशत ऊर्जा पूरा हो रही है। यहां ५५० एकड़ के "नव्या अयोध्या" टाउनशिप का विकास हुआ है, जिसमें स्मार्ट बिजली-डक्स, भूमिगत नाली-प्रणाली है। सरयू नदी के घाटों का सौंदर्यीकरण व लॉन्ग वॉक-वे बनाए गए हैं, जिससे पर्यटक अनुभव बेहतर हुआ है। सरयू घाट की आरती देखने को श्रद्धालुओं की भारी भीड़ रोड उमड़ती है। इस आरती को देखने का अभी सही प्रबंध नही है। उसे बनाने की जरूरत है।बड़े बड़े टीवी भी इसे देखने के लिए लगाए जा सकते हैं।

इनसे श्रद्धालु सरयू किनारे कहीं भी बैंच या फर्श पर बैठकर आराम से आरती देख ले। मंदिर-के बाद अयोध्या में अब सिर्फ दर्शन तक सीमित नहीं रही बल्कि सांस्कृतिक और अनुभव-आधारित पर्यटन पर भी ध्यान गया है। नए संग्रहालय व सांस्कृतिक केंद्र बनाएं जा रहे हैं। मंदिर परिसर के आस-पास संग्रहालय, रामायण अध्ययन संस्थान जैसी योजनाएं चल रही हैं। उत्सव व कार्यक्रम को रोचक बनाया जा रहा है। दीपोत्सव में लाखों दीये, ड्रोन-शो आदि का आयोजन हुआ है जो सिर्फ स्थानीय नहीं बल्कि राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय आकर्षण बना है। पारंपरिक हश्तशिल्प व पर्यटन-वश्तुओं को बढ़ावा मिल रहा है। इससे स्थानीय कारीगरों को नए नए अवसर मिल रहे हैं। राम मंदिर के बाद अयोध्या में जो विकास गति पकड़ी है, वह सिर्फ पूजा-पथ नहीं बल्कि समृद्धि-पथ है। तीर्थयात्रा से बढ़कर यह अब अनुभव-और-उद्यम-नगर बनता जा रहा है। लेकिन यह महत्वपूर्ण है कि यह विकास वैश्विक दर्जे का होने के साथ-साथ स्थानीय अनुभव-सक्षम और पर्यावरण-अनुकूल भी बने।

अयोध्या का प्राचीन समय नाम साकेत है। साकेत भगवान राम के समय का भव्य नगर। आज का नगर उससे भी विशाल आकार ले रहा है। भगवान राम के साकेत(अयोध्या जी) पर महाकवि मैथिलीशरण गुप्त का काव्य साकेत की ये पंक्तियां इस नगर का भव्य चित्रण करती हैं।

देख लो, साकेत नगरी है यही, स्वर्ग से मिलने गगन में जा रही।

केतु-पट अंचल-सदृश हैं उड़ रहे,कनक-कलशों पर अमर-दृग जुड़ रहे।
सोहती हैं विविध-शालाएँ बड़ी; छत उठाए भित्तियाँ चित्रित खड़ी।
गेहियों के चारु-चरितों की लड़ी, छोड़ती हैं छाप, जो उन पर पड़ी!
स्वच्छ, सुंदर और विस्तृत घर बने,इंद्रधनुषाकार तोरण हैं तने।
देव-दंपती अट्ट देख सराहते; उतरकर विश्राम करना चाहते।
फूल-फलकर, फैलकर जो हैं बढ़ी, दीर्घ छज्जों पर विविध बेलें चढ़ी
पौरकन्याएँ प्रसून-स्तूप कर, वृष्टि करती हैं यहीं से भूप पर।
फूल-पत्ते हैं गवाक्षों में कढ़े, प्रकृति से ही वे गए मानो गढ़े।
दामनी भीतर दमकती है कभी, चंद्र की माला चमकती है कभी।
सर्वदा स्वच्छंद छज्जों के तले,प्रेम के आदर्श पारावत पले।
केश-रचना के सहायक हैं शिखी, चित्र में मानो अयोध्या है लिखी !

नाबालिग से दुष्कर्म के दोषी को दस साल कारावास

✷ **एनसीआर टुडे. गाजियाबाद** ✷ । वर्ष 2014 में लोनी थाना क्षेत्र में नाबालिग से दुष्कर्म के मामले में पॉक्सो कोर्ट ने सुनवाई करते हुए दोषी को दस साल की सजा सुनाई। इसके साथ ही 50 हजार रुपये का अर्थदंड भी लगाया गया। पॉक्सो कोर्ट द्वितीय के विशेष लोक अभियोजक संजीव कुमार बखरवा ने बताया कि लोनी थाना क्षेत्र में वादी अपने परिवार के साथ रहते थे। वह और उनकी पत्नी घटना के दिन काम से बाहर गए थे। आरोप है कि मोहल्ले में ही रहने वाला लक्ष्मण घर आया और उनकी बेटी को डरा धमकाकर उसके साथ दुष्कर्म किया। इसके बाद भी बेटी को धमकाकर कई बार दुष्कर्म किया। इस दौरान वह गर्भवती भी हो गई। आरोप है कि लक्ष्मण ने घटना की जानकारी किसी को देने पर जान से मारने की धमकी दी थी। लड़की के पेट में दर्द होने के बाद अल्ट्रासाउंड कराने पर इस बात का खुलासा हुआ। थाने में दो नवंबर 2014 को मुकदमा दर्ज कराया था। पुलिस ने लक्ष्मण को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। इस मामले में पॉक्सो कोर्ट द्वितीय की विशेष न्यायाधीश दीपिका तिवारी की अदालत में अंतिम सुनवाई हुई। लक्ष्मण को दोषी ठहराया और उसे दस साल की सजा सुनाई गई।

महिला की मौत के मामले में पति समेत छह पर केस

✷ **एनसीआर टुडे. गाजियाबाद** ✷ । मोदीनगर के महिला की मौत के मामले में पति सहित छह लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज हुई है। नामजदों पर दहेज के लिए महिला को प्रताड़ित करने का आरोप है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। कोतवाली के गांव बेगमाबाद में 20 नवंबर को नीलम की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई थी। उसका शव कमरे में फंदे से लटका मिला था। गांव सारा निवासी नीलम की आठ साल पहले गांव बेगमाबाद में राहुल के साथ शादी हुई थी। नीलम के पिता नरेंद्र की तरफ से कोतवाली में दर्ज कराई गई रिपोर्ट के अनुसार, ससुराल पक्ष के लोग नीलम पर दहेज का दबाव बना रहे थे। नीलम लगातार प्रताड़ना झेल रही थी। इसी के चलते उसने आत्महत्या कर ली। सीओ मोदीनगर अमित सक्सेना ने बताया कि पति राहुल, सास संतोष, ननद भारती, देवर रविंद्र, ससुर ब्रज कुमार और मौसा तेजपाल के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर जांच की जा रही है।

हापुड़ के बंदी की अस्पताल में मौत

✷ **एनसीआर टुडे. गाजियाबाद** ✷ । डासना स्थित जिला कारागार में हापुड़ के बंदी की हालत बिगड़ गई। रविवार को उसे संयुक्त अस्पताल लाया गया, जहां उपचार के दौरान मौत हो गई। जेल प्रशासन ने परिजनों को सूचना दे दी। आधिकारियों का कहना है कि बंदी की मौत की मजिस्ट्रेट जांच होगी। जेल अधीक्षक सीताराम शर्मा ने बताया कि हापुड़ के जोगीपुरा निवासी 48 वर्षीय रिफाकत को वर्ष 2017 में मारपीट, धमकी और हत्या के प्रयास के मामले में चार अक्तूबर को जिला कारागार में निरुद्ध किया गया था। जेल में आने के कुछ दिन बाद से ही उसकी तबीयत खराब रहने लगी थी। रविवार सुबह रिफाकत की अचानक से तबीयत बिगड़ गई, जिसके बाद उसे जेल अस्पताल लाया गया। हालत बिगड़ने पर संजयनगर स्थित संयुक्त अस्पताल में भर्ती कराया गया। सुबह 7.40 बजे उपचार के दौरान मौत हो गई।

संतुलन बिगड़ने से कार पलटी चालक की मौत

✷ **एनसीआर टुडे. ग्रेटर नोएडा** ✷ । दादरी के बादलपुर कोतवाली क्षेत्र के धूम मानिकपुर गांव के समीप बाईपास पर कार पलटने से चालक की मौत हो गई। प्रभारी निरीक्षक अमित कुमार ने बताया कि दिल्ली के करावल नगर निवासी डॉक्टर अमित निर्मल (43) परिवार के साथ रहते थे। बुलंदशहर के खुर्जा स्थित मेडिकल कॉलेज में प्रोफेसर के पद पर कार्यरत थे। सोमवार की सुबह रोजमर्रा की तरह वह कार में सवार होकर ड्यूटी के लिए जा रहे थे। धूम मानिकपुर गांव के समीप बाईपास पर पहुंचे तो कार का संतुलन बिगड़ गया। अनियंत्रित होने के चलते कार सड़क से नीचे गिर कर पलट गई। हादसे में चालक डाक्टर अमित निर्मल गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना मिलने पर पुलिस उन्हें अस्पताल लेने गई जहां पर घायल को डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना परिजनों को दी गई।

एसआईआर फार्म जल्दी भरकर जमा करे नगरवासी : ताहिरा खलील

✷ **एनसीआर टुडे. ग्रेटर नगीना** ✷ । चेयरपर्सन ताहिरा खलील ने शहरवासियो से अपील की है कि वे जल्द से जल्द अपने SIR फॉर्म भरकर बी.एल.ओ. को जमा करे। नगीना के पूर्व चेयरमैन शेख़ ख़लीलुर्रेहमान नगर पालिका परिषद नगीना व वर्तमान चेयरमैन ताहिरा ख़लील के आवास पर SIR फॉर्म का कार्य जारी। सभी से हमारा विन्रम निवेदन हैं की जल्द से जल्द जिनका SIR फॉर्म नहीं भरा हो वो तुरंत भर कर अपने अपने बी.एल.ओ. को जमा कर दे।

एसआईआर प्रक्रिया में देरी, 17 बीएलओ पर एफआईआर दर्ज

✷ **एनसीआर टुडे. नोएडा** ✷

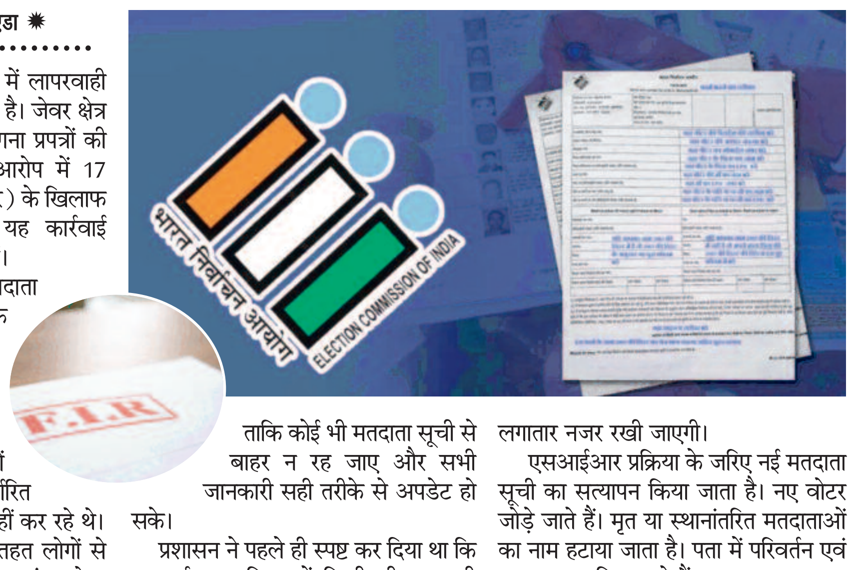

मतदाता सूची के एसआईआर में लापरवाही बरतने पर बड़ी कार्रवाई की गई है। जेवर क्षेत्र में एसआईआर में देरी और गणना प्रपत्रों की प्रक्रिया को धीमा करने के आरोप में 17 बीएलओ (बूथ लेवल ऑफिसर) के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई। यह कार्रवाई एसडीएम के आदेश पर की गई।

जानकारी के अनुसार, मतदाता सूची के एसआईआर प्रक्रिया के दौरान गणना फॉर्म्स भरवाने का काम बेहद धीमी गति से चल रहा था, जिससे निर्वाचन संबंधी प्रक्रिया प्रभावित हो रही थी। प्रशासन के बार-बार निर्देशों के बाद भी बीएलओ अपने निर्धारित दायित्वों को सही ढंग से पूरा नहीं कर रहे थे।

एसआईआर अभियान के तहत लोगों से गणना प्रपत्र भरवाने का काम 4 नवंबर से 4 दिसंबर तक चल रहा है। लेकिन अब तक 1 लाख से कम लोग, यानी कुल संख्या का केवल 25 प्रतिशत ही अपना विवरण जमा कर सके हैं।

निर्देशों के अनुसार बीएलओ को घर-घर जाकर फॉर्म भरवाने की जिम्मेदारी दी गई थी, ताकि कोई भी मतदाता सूची से बाहर न रह जाए और सभी जानकारी सही तरीके से अपडेट हो सके।

प्रशासन ने पहले ही स्पष्ट कर दिया था कि एसआईआर प्रक्रिया में किसी भी तरह की लापरवाही या धीमी गति कदापि बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इसके बावजूद सुधार न होने पर यह सख्त कदम उठाया गया।

अधिकारियों के अनुसार, समयसीमा के भीतर कार्य पूरा करने के लिए अब निगरानी और तेज की जाएगी तथा बीएलओ पर लगातार नजर रखी जाएगी।

एसआईआर प्रक्रिया के जरिए नई मतदाता सूची का सत्यापन किया जाता है। नए वोटर जोड़े जाते हैं। मृत या स्थानांतरित मतदाताओं का नाम हटाया जाता है। पता में परिवर्तन एवं अन्य सुधार किए जाते हैं।

एफआईआर दर्ज होने के बाद माना जा रहा है कि एसआईआर अभियान की गति बढ़ेगी। प्रशासन का कहना है कि यह कार्रवाई अन्य कर्मियों के लिए चेतावनी है। मतदाता सूची का काम पूर्ण पारदर्शिता और समय सीमा के भीतर पूरा होना जरूरी है।

एलिवेटेड रोड से कूदकर 24 वर्षीय युवक ने की आत्महत्या

✷ **एनसीआर टुडे. नोएडा** ✷

मानसिक रूप से परेशान 24 वर्षीय युवक ने यहां भंगेल एलिवेटेड रोड से कथित रूप से छलांग लगा दी। उसे गंभीर हालत में जिला अस्पताल में भर्ती करवाया गया, जहां उसकी मौत हो गई।

एक पुलिस अधिकारी ने यह जानकारी दी। थाना सेक्टर 49 के प्रभारी निरीक्षक सुनील कुमार भारद्वाज ने बताया कि रविवार को थाना पुलिस को सूचना मिली कि एलिवेटेड रोड के पिलर नंबर-46 के सामने दादरी बरौला रोड से एक व्यक्ति संदिग्ध परिस्थितियों में नीचे गिर गया है। उसे तुरंत उपचार के लिए जिला अस्पताल में भर्ती करवाया गया, जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। उन्होंने बताया कि पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

थाना प्रभारी ने बताया कि मृतक की पहचान दीपू कुमार मंडल निवासी जोर बाग (दिल्ली) के रूप में हुई है। उनके अनुसार उसके परिवार के अन्य लोग बरौला गांव में रहते हैं और वे मूल रूप से बिहार निवासी हैं।

भारद्वाज ने बताया कि मंडल विगत एक हफ्ते से मानसिक तनाव में था और घटना वाले दिन वह अपने पिता को धक्का देकर घर से भाग गया था तथा अगाहपुर गांव के पास एलिवेटेड रोड पर चढ़ गया था। पुलिस को आशंका है कि मानसिक तनाव के चलते उक्त युवक ने आत्महत्या की है।

बेकाबू वाहन ने युवक समेत दो को टक्कर मारी, हालत गंभीर

बुलंदशहर रोड औद्योगिक क्षेत्र में हुई घटना, आरोपी चालक को तलाश रही पुलिस

✷ **एनसीआर टुडे. गाजियाबाद** ✷

कविनगर थानाक्षेत्र के बुलंदशहर रोड औद्योगिक क्षेत्र में तेज रफ्तार वाहन ने युवक और उसके नाबालिग साथी को टक्कर मार दी। घटना में दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया।

घटना के बाद आरोपी चालक फरार हो गया। युवक के दादा की शिकायत पर पुलिस ने केस दर्ज कर चालक की तलाश शुरू कर दी है।

थाना जानी, जिला मेरठ के गांव खानपुर निवासी मीनू मलिक ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि 19 नवंबर को दोपहर लगभग साढ़े तीन बजे उनका 18 वर्षीय पोता आयान मलिक शाहपुर बम्हैटा निवासी अपने 11 वर्षीय साथी अजित कुमार के साथ किसी कार्य से बुलंदशहर रोड औद्योगिक क्षेत्र स्थित प्लेन एन ग्रांड कंपनी के पास से जा रहा था।

इसी दौरान वाहन चालक ने लापरवाही से वाहन चलाते हुए दोनों को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि आयान और अजित दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद स्थानीय लोगों की मदद से दोनों को अस्पताल पहुंचाया गया।

आयान मलिक का उपचार वर्तमान में एम्स दिल्ली में चल रहा है, जबकि अजित कुमार को मोदीनगर के जीवन अस्पताल में भर्ती कराया गया है। दोनों की हालत नाजुक बनी हुई है।

वहीं, दुर्घटना को अंजाम देकर आरोपी चालक वाहन समेत मौके से फरार हो गया। घटना के संबंध में मीनू मलिक ने 23 नवंबर को कविनगर थाने में शिकायत की। सीओ कविनगर सूर्यबली मौर्य का कहना है कि केस दर्ज कर आरोपी चालक की तलाश की जा रही है।

ऑनलाइन के नाम पर लोगों को लूट रहे दुकान संचालक, हौंसले है बुलंद बेख़ौफ़ है कथित दुकान संचालक

✷ **एनसीआर टुडे. नगीना** ✷

राष्ट्रीय शतर पर चलाएं जा रहे एसआईआर मामले में जनसेवा केंद्र की तर्ज पर गली कूचों में खुली दुकानों पर घबराई भोली भाली जनता अब लुटनी शुरू हो गई है।

इन कथित दुकान संचालकों को ना तो राष्ट्र से मतलब और ना ही विभाग का डर, बस जरूरी दशतावेज बनाने की आड़ में मोटी रकम लेना है।

नगर मे इस गंभीर मामले की चर्चा अब शुरू हो गई है। विभाग भी बेख़बर है और स्थानीय प्रशासन भी, अब ऐसे में इस भोली भाली जनता को लुटने से कौन बचाए।

सरकार ने एसआईआर को लागू करते हुए मतदाताओं को सत्यापित कराने का कार्य शुरू किया तो भोली भाली जनता को ठगने के लिए बेरोजगारो ने भी डर का धंधा शुरू कर दिया, बस 500 से 1000 रुपए प्रतिमाह दुकान किराए पर ली और पांच हजार रुपए का लैपटॉप दुकान पर रख लिया और अपना धंधा शुरू कर दिया।

मज़े की बात यह है कि इन कथित दुकान संचालकों को ना तो किसी रजिस्ट्रेशन की जरूरत और ना ही सरकार की कोई गाइडलाइन की जानकारी, बस केवल डर का व्यापार। दुकान के ऊपर और नीचे फ्लेक्स बोर्ड, उसपर लिखा है मूल निवास, जाति प्रमाण पत्र, आयुष्मान कार्ड, जन्म प्रमाण पत्र, पास्पोर्ट आदि आइये इसके अलावा भी जो दशतावेज चाहिए हमसे बनवाइए। ऊपर से कम जानकारी के चलते भोली भाली जनता के सामने एसआईआर का डर आया तो इनके धंधे ने ज़ोर पकड़ लिया। अब दुकान संचालक कहते हैं कि अगर उनका नाम 2003 की लिस्ट में हो या न हो जाति, मूल निवास व जन्म प्रमाण पत्र तो उन्हें बनवाना ही पड़ेगा। अब इन दशतावेजों को केवल ऑनलाइन करने के नाम पर उन्हें ठगा जा रहा हैं। इतना ही नहीं बीएलओ द्वारा दिए गए फॉर्म को भरने के नाम पर भी यह कथित दुकान संचालक उनसे रुपए वसूल रहे हैं। उन्हें डरा रहे हैं कि यदि उनसे फॉर्म नहीं भरवाओगे तो फॉर्म निरशत हो जाएंगा। एसआईआर को देखते हुए

इन माफियाओं ने रातों रात जगह जगह दुकानें खोल ली। यह माफिया ज्यादा पढ़े लिखे भी नहीं है, और ना ही उन्हें कोई तजुर्बा, ।बस उनका मकसद लोगों से रुपए लेकर अपना उल्लू सीधा करना है। इतना ही नहीं पैसे कमाने की लालसा में यह दुकान संचालक सुबह से देर रात 12 बजे तक अपनी दुकान खोले रहते हैं।

इन दुकान पर युवतियां भी काम करती देखी जा सकती है। विभाग भले ही इस मामले से बे ख़बर हो, लेकिन मीडिया अब जागरूकता के लिए आगे आई है,। नगर के मोहल्ला कलालान, पहाड़ी दरवाजा, शेख सराय रोड, सहित अन्य जगाहों की गली कूचों में यह गोरख धंधा जोर-जोर से चल रहा है। नगर की समाजिक संगठनों ने डीएम बिजनौर, के साथ स्थानीय पुलिस प्रशासन से मांग की है कि ऐसे दुकानो पर छापेमारी करते हुए कथित दुकान संचालक के साथ दुकान मालिक पर भी राष्ट्र विरोधी धाराओं के तहत कार्रवाई कर जेल भेजे जाने की मांग न्यायहित उठाईं है।

दरअसल इन दुकान माफियाओं पर दुकान चलाने का न तो कोई लाइसेंस होता है न ही मानको की जानकारी, सरकार की गाइडलाइन, का भी इन्हें कुछ अता पता नहीं है। बस दुकान खोली फ्लैंक्सी बोर्ड व बैनर लगाया और डर का व्यापार कर दिया शुरू। यदि पुलिस प्रशासन ने समय रहते ऐसे दुकान संचालको पर शिकंजा नहीं कसा तो दुकान संचालकों के हौसले तो बुलंद होंगे ही साथ ही साथ भोली भाली जनता भी इनकी शिकार होते हुए लुटती रहेगी।

युवकों के साथ मारपीट करने वालों पर केस दर्ज

हरियाणा नंबर की कार से आए युवकों ने हमला किया फेज-वन थाना क्षेत्र में 15 दिन पहले हुई थी वारदात

✷ **एनसीआर टुडे. नोएडा** ✷

फेज-वन थाना क्षेत्र के सेक्टर-115 में 15 दिन पूर्व कार में बैठे तीन युवकों पर चार युवकों ने रंजिशन जानलेवा हमला कर दिया। तीनों युवक गंभीर रूप से घायल हो गए।

पीड़ित ने दो नामजद समेत चार लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। दिल्ली के तुगलकाबाद गांव निवासी अंकित चौहान ने पुलिस को बताया कि वह 10 नवंबर की रात करीब ढाई बजे वह दोश्त गुलशन चौहान और पीम बहादुर के साथ नोएडा आए हुए थे। सेक्टर-15 स्थित एक रेस्टोरेंट के बाहर सड़क किनारे कार में बैठकर कुछ खा रहे थे।

तभी कुछ लोग हरियाणा नंबर की कार में बैठकर आए। उनमें अमृत पाल और चंद्रभान धाकड़ के अलावा दो अज्ञात लोग सवार थे। आरोपियों ने गाली-गलौज शुरू कर दी। विरोध करने पर आरोपियों ने धारदार हथियार से हमला कर दिया। इसके चलते शिकायतकर्ता समेत तीनों लोग घायल हो गए। मौके पर स्थानीय लोग एकत्र हो गए। पीड़ितों ने इसकी सूचना पुलिस को दी। पुलिस के पहुंचने से पहले ही आरोपी जान से मारने की धमकी देकर भाग गए। पुलिस घटना स्थल पर लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज से जांच में जुटी है। पुलिस का कहना है कि जांच कर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

कार में बैठे युवक और महिला पर हमला

✷ **एनसीआर टुडे. गाजियाबाद** ✷

महरौली अंडरपास के नजदीक आदित्य वर्ल्ड सिटी निवासी युवक और उसकी महिला साथी पर कई लोगों ने जानलेवा हमला कर दिया। इसमें युवक की एक आंख की रोशनी धुंधली पड़ गई।

इतना ही नहीं, आरोपियों ने महिला के साथ भी बदसलूकी और धक्का-मुक्की की। वेव सिटी पुलिस ने केस दर्ज कर हमलावरों की तलाश शुरू कर दी है। आदित्य वर्ल्ड सिटी निवासी अरुण कुमार यादव का कहना है कि 13 नवंबर को महरौली अंडरपास के नजदीक वह अपनी महिला साथी के साथ कार में बैठे थे।

इसी दौरान एक-दो राहगीरों ने बिना किसी वजह के कार के पास आकर गाली-गलौज शुरू कर दी। वह कार से बाहर निकले और शांतिपूर्ण तरीके से बात करने लगे। इसी दौरान नशे में धुत एक युवक ने अचानक उन पर हमला कर दिया। आरोप है कि कुछ ही देर में मौके पर आठ-दस अन्य लोग आ गए, जिन्होंने उन पर हमला कर दिया। आरोपियों ने उन्हें जमीन पर गिराकर पीटा और गला दबाने की कोशिश भी की। पीड़ित ने बताया कि हमलावरों ने उनकी महिला साथी को भी जबरन धक्का देकर अपमानित किया।

हमले के दौरान उन्होंने डायल-112 पर फोन करके मदद मांगी, लेकिन तब भी हमलावर रुके नहीं। पुलिस के पहुंचने पर कई हमलावर मौके से फरार हो गए, जबकि एक युवक वहीं रुका रहा और कुछ देर बाद उसके सहयोगी भी पहुंच गए। पीड़ित का आरोप है कि सभी ने पुलिस में शिकायत करने पर जान से मारने की धमकी दी। सीओ वेव सिटी प्रियाश्री पाल का कहना है कि 13 अज्ञात लोगों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया गया है।

स्योहारा में सड़क हादसा : बाइक की टक्कर से व्यक्ति की मौत, दो युवक घायल

✷ **एनसीआर टुडे. स्योहारा** ✷

नगर में सोमवार देर शाम हुए दर्दनाक सड़क हादसे में सड़क किनारे खड़े एक व्यक्ति की मौत हो गई,। जबकि बाइक सवार दो युवक घायल हो गए। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में ले लिया और घायलों को उपचार के लिए सीएचसी भिजवाया।

जानकारी के अनुसार, शाम लगभग 5:45 बजे मोहल्ला खालिदनगर पिथापुर निवासी शमीम उर्फ भूरा (52) पुत्र घिस्सा माहीगीर किसी कार्य से धामपुर रोड स्थित फव्वारा के पास आए थे। इसी दौरान सामने से आ रहे बाइक सवार युवकों ने नियंत्रण खो दिया और उनकी टक्कर सड़क किनारे खड़े शमीम उर्फ भूरा से हो गई। टक्कर में भूरा गंभीर रूप से घायल हो गए।

सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और तीनों घायलों को सीएचसी ले जाया गया, ।जहां चिकित्सकों ने शमीम उर्फ भूरा को मृत घोषित कर दिया। घायल युवकों की पहचान देवेन्द्र पुत्र गंगाराम और निक्की पुत्र शेर सिंह निवासी मिल तिराहा धामपुर के रूप में हुई है। बताया गया कि दोनों युवक अपनी मौसी के निधन पर शामिल होकर धामपुर लौट रहे थे और शराब के नशे में थे।

हादसे की सूचना पर सीओ धामपुर अभय कुमार पाण्डेय एवं थाना प्रभारी निरीक्षक संजय कुमार भी मौके पर पहुंचे। थाना प्रभारी ने बताया कि मृतक के शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा जा रहा है। मृतक के परिजनों की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

डी.एम. की अध्यक्षता में जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक आयोजित

✷ **एनसीआर टुडे. बिजनौर** ✷

जिलाधिकारी जसजीत कौर की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक आयोजित हुई। इस अवसर पर आरटीओ, अधिशासी अभियंता राष्ट्रीय राजमार्ग, लोक निर्माण विभाग, परिवहन, ट्रैफिक पुलिस अधिकारी समिति अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद थे।

जिलाधिकारी श्रीमती कौर ने जिला गन्ना अधिकारी को निर्देशित किया कि सभी चीनी मिल अधिकारियों के साथ बैठक आयोजित कर निर्देशित करें कि किसी भी अवस्था में बिना फिटनेस एवं ओवरलोडेड वाहनों का गन्ना परिवहन में संचालन नहीं होना चाहिए। उन्होंने सचेत करते हुए कहा कि उक्त प्रकार की शिकायत संज्ञान में आने पर वाहन स्वामी के साथ-साथ मिल प्रबंधन तंत्र के विरुद्ध भी कार्यवाही अमल में लाई जाएगी। उन्होंने एनएचआई के अधिकारियों निर्देश दिए कि जो भी मार्ग हाइवे से जुड़ रहे है, उन पर तत्काल स्पीड ब्रेकर बनाना सुनिश्चित करें। साथ ही उन्होंने निर्देश दिए कि हाइवे पर एक्सीडेंटल व संवेदनशील स्थानों पर दुर्घटना संबंधित पोस्टर लगाना भी सुनिश्चित करें। उन्होंने निर्देश दिए कि हाईवे पर शेष रह गए कट को उनको तत्काल बंद करना सुनिश्चित करें जिससे कि कोई भी अप्रिय घटना न होने पाए।

उन्होंने जिला विद्यालय निरीक्षक तथा बेसिक शिक्षा अधिकारी को निर्देशित करते हुए कहा कि जिन स्कूलों द्वारा छात्र-छात्राओं के परिवहन में फिटनेस पूर्ण न होने वाले वाहनों का संचालन पूर्णतया प्रतिबंध कराया जाना सुनिश्चित करें। उन्होंने स्कूली बच्चों की सुरक्षा के दृष्टिगत निर्देश दिए कि उप संभागीय परिवहन विभाग तथा ट्रैफिक पुलिस के अधिकारी संयुक्त रूप से बच्चों का परिवहन करने वाले वाहनों की फिटनेस आदि की चेकिंग करें और कमी पाए जाने पर उनके खिलाफ समुचित कार्यवाही करते हुए उनका परिवहन बंद कराएं। उन्होंने निर्देश दिए कि कोई भी वाहन बिना फिटनेस के संचालित न पाया जाए। साथ ही उन्होंने जिले में संचालित एम्बुलेंस की फिटनेस की जांच करने के भी निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सड़क सुरक्षा समाज के हर व्यक्ति की जिंदगी से जुड़ी हुई है, जिसके पेशेनजर आवश्यक है कि सड़क सुरक्षा को पूर्ण मानकों के अनुसार सुरक्षित बनाया जाए।

उन्होंने लोक निर्माण विभाग, एन एच आई एवं परिवहन विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि दुर्घटना सम्भावित क्षेत्रों में विशेष ध्यान देते हुए सड़क के दोनों ओर प्राथमिकता पर सुरक्षात्मक चिन्ह एवं रिफिलेक्टर लगवाना सुनिश्चित करें। उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि दुर्घटना संभावित जगहों पर टेबिल टाप रोड ब्रेकर भी बनवाएं तथा चालकों की सुविधा के लिए उन पर सफेद लाइन भी बनाई जाएं ताकि कम से कम दुर्घटना की सम्भावना रहे। उन्होंने निर्देश दिए कि जिन स्थानों पर दुर्घटनायें हो रही है उन्हें चिन्हित कर उनमें तत्काल सुधार की कार्यवाही करना सुनिश्चित करें।

सर्वसाधारण सूचना

परिषद की वसुन्धरा योजना गाजियाबाद के सेक्टर-2बी में स्थित भवन संख्या-2 बी/627 श्री राम अजोर मौर्य पुत्र श्री राम सुमेर मौर्य, निवासी-गली नं0-2ए, करावल नगर, दिल्ली के पक्ष में प्रदेशन पत्र संख्या-7011 दिनांक 07.06.2003 द्वारा आवंटित है। आवंटन उपरान्त आवंटी ने उक्त भवन का विक्रय विलेख अपने पक्ष में दिनांक 24.06.2003 को निष्पादित करा लिया है, तथा खण्ड कार्यालय से भवन का भौतिक कब्जा दिनांक 05.08.2003 को प्राप्त कर लिया है। श्री दिनेश कुमार पुत्र स्व.श्री राम अजोर मौर्य, निवाली-2बी/627, सैक्टर-2बी, वसुन्धरा गाजियाबाद ने अपने प्रार्थना पत्र दिनांक 19.09.2025 द्वारा कार्यालय को सूचित किया है कि उनके पिता श्री राम अजोर मौर्य पुत्र श्री राम सुमेर मौर्य का स्वर्गवास दिनांक 05.05.2021 को हो गया है। मृत्युोपरान्त भवन का अन्तरण परिषद अभिलेखों में मृतक के वारिसान प्रमाण पत्र के आधार पन अपने नाम में कराना चाहते हैं, जिसके लिए श्री दिनेश कुमार पुत्र स्व० श्री राम अजोर मौर्य द्वारा निम्न प्रपत्र कार्यालय में जमा किये गये है। स्व० श्री राम अजोर मौर्य क प्रमाणित मृत्यु प्रमाण पत्र, क्षतिपूर्ति बन्धकनामा, रु0-10.00 के स्टाम्प पेपर पर शपथ पत्र नोटरी द्वारा प्रमाणित कराकर, फोटो व हस्ताक्षर राजपत्रित अधिकारी द्वान प्रमाणित कराकर समस्त प्रपत्र कार्यालय में प्रस्तुत किये गये है।

अतः स्व० श्री राम अजोर मौर्य पुत्र श्री राम सुमेर मौर्य की मृत्यु उपरान्त भवन का अन्तरण मृतक के पारिवारिक सदस्यों की सूची के आधार पर उक्त सम्पत्ति श्री दिनेश कुमार पुत्र स्व० श्री राम अजोर मौर्य का नाम एकल रूप से अन्तरित किये जाने में किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो सूचना प्रकाशन की दिनांक से 30 दिन के अन्दर अपनी आपत्ति साक्ष्यों सहित सम्पत्ति प्रबन्ध कार्यालय, उ0प्र0 आवास एवं विकास परिषद, सेक्टर-16ए, वसुन्धरा, गाजियाबाद में जमा करें, अन्यथा निर्धारित तिथि बाद किसी व्यक्ति का कोई क्लेम मान्य नहीं होगा।

सम्पत्ति प्रबन्धक

संपादकीय

बड़वा गाँव : हरियाणा की 'छोटी काशी'

बड़वा, हरियाणा के भिवानी ज़िले का एक ऐसा प्राचीन और गौरवशाली गाँव है, जिसके कण-कण में इतिहास, अध्यात्म और संस्कृति रच-बस गए हैं। गाँव के उत्तर-पूर्व में हिसार, दक्षिण में सीवानी कस्बा, उत्तर में चौधरीवास, पूर्व में रावतखेड़ा तथा पश्चिम में नलोई और गावर गाँव स्थित हैं। इसका पिन कोड १२७०४५ है। अपनी विशिष्ट संस्कृति, मंदिरों की बहुलता और आस्थापूर्ण जीवन के कारण बड़वा को हरियाणा की 'छोटी काशी' कहा जाता है। यहाँ का वातावरण इतना सौम्य, सादा और मानवीय है कि कोई भी आगंतुक गाँव में प्रवेश करते ही आत्मिक शांति का अनुभव करता है।

यह गाँव हरियाणवी और राजस्थानी संस्कृति के सुंदर संगम का अद्भुत प्रमाण है। यहाँ के लोग सहज, शरीफ़, धार्मिक प्रवृत्ति के और अत्यंत विनम्र स्वभाव के हैं। सरल जीवन और ऊँचे विचार इस समुदाय की पहचान हैं। जीवन को त्यौहार की तरह जीने की कला, हर पल में आनंद ढूँढ लेने का दृष्टिकोण और मिल-जुलकर रहने की परंपरा इस गाँव की सामाजिक आत्मा है। बड़वा का सामुदायिक माहौल इतना सौहार्दपूर्ण है कि यह गाँव केवल एक बशती नहीं, बल्कि एक विश्तृत परिवार की तरह दिखाई देता है।

गाँव के उत्तर भाग में स्थित माँ दुर्गा मंदिर नवरात्रों का प्रमुख केंद्र है। नवरात्रों के दिनों में यहाँ प्रतिदिन सवा मणि भोग का वितरण भक्तिभाव और परंपरा का अनुपम उदाहरण है। मंदिर में उमड़ने वाली श्रद्धा, रोज़ाना कीर्तन और सामूहिक सहभागिता गाँव की आध्यात्मिकता को सजीव करती है। चारों दिशाओं में फैले मंदिरों का विश्तार बड़वा की धार्मिक विरासत को और भी उजागर करता है। उत्तर दिशा में पुराना ठाकुर जी मंदिर, श्रीकृष्ण मंदिर, शिव मंदिर, हनुमान मंदिर, पक्का (केसर) जोहड़, दुर्गा मंदिर और सती दादी मंदिर स्थित हैं। दक्षिण दिशा में बाबा रामदेव मंदिर, बाबा गोगा पीर मंदिर, विश्वकर्मा मंदिर, गाँव का स्टेडियम और पशु चिकित्सालय है। पूर्व दिशा में शनि देव मंदिर, निर्माणाधीन श्री श्याम मंदिर तथा कई छोटे मंदिरों की शृंखला है। पश्चिम दिशा में गोरी दादी मंदिर और झांग आश्रम गाँव की पवित्र पहचान को और भी गहरा करते हैं।

बड़वा की प्राचीनता उसकी हवेलियों से झलकती है। यहाँ की २० से अधिक भव्य और कलात्मक हवेलियाँ गाँव के सुनहरे अतीत की प्रतिनिधि हैं। इन्हें देखकर स्पष्ट होता है कि यह गाँव कभी समृद्ध व्यापारिक, सांस्कृतिक और सामाजिक केंद्र रहा होगा। पुराने समय में यहाँ कई प्रतिष्ठित और बड़े सेठ रहते थे, जिनमें श्री परशुराम सेठ और श्री लायक राम सेठ के नाम विशेष सम्मान और श्रद्धा के साथ स्मरण किए जाते हैं। हवेलियों की विशालता, स्थापत्य कला और परिवारों की विरासत आज भी इस गाँव की गरिमा को उजागर करती हैं।

शिक्षा के क्षेत्र में भी बड़वा अग्रणी है। गाँव में १०+२ राजकीय बालक विद्यालय, राजकीय बालिका उच्च विद्यालय, शिवालिक हाई स्कूल, टैगोर सीनियर सेकेंडरी स्कूल, दयानंद हाई स्कूल तथा उच्च शिक्षा प्रदान करने वाला टैगोर कॉलेज ऑफ़ एजुकेशन स्थित है। यह शैक्षणिक विश्तार ग्रामीण परिवेश में शिक्षा के सशक्तिकरण का मार्ग प्रशश्त करता है। गाँव के मध्य में अवस्थित रामलीला मैदान सांस्कृतिक चेतना का केंद्र है, जहाँ हर वर्ष अत्यंत विधि-विधान और भक्ति के साथ रामलीला का मंचन किया जाता है। वर्षभर सत्संग-किर्तन का सिलसिला गाँव की आध्यात्मिक ऊर्जा को निरंतर सक्रिय बनाए रखता है।

गौशाला का संचालन ग्रामीणों के सहयोग, दान और सेवा-भाव पर आधारित है, जो बड़वा के सामुदायिक संस्कारों का सच्चा प्रतीक है। गाँव के भीतर व आसपास के धार्मिक स्थलों में बाबा कमलगिरी की कुटिया, गुरु जाम्भेश्वर मंदिर, जमानी बुआ स्थित श्रीकृष्ण मंदिर, मुख्य बाज़ार का श्री रघुनाथ मंदिर और रोषड़ा (स्थानीय उच्चारण-रोहसड़ा) जोहड़ के समीप स्थित भभूता मंदिर विशेष रूप से उल्लेखनीय हैं। दक्षिण दिशा में सीवानी मार्ग पर स्थित काली माई मंदिर (महावतार धाम) अपनी दिव्य ऊर्जा और आस्था के कारण दूर-दूर तक प्रसिद्ध है।

पिछले बीस वर्षों से सतत साहित्य-साधना में रत तथा पच्चीस से अधिक कृतियों के रचनाकार, गाँव के युवा साहित्यकार एवं सामाजिक चिंतक दम्पति-डॉ. सत्यवान सौरभ और डॉ. प्रियंका सौरभ-के अनुसार बड़वा केवल एक भौगोलिक इकाई नहीं, बल्कि सांस्कृतिक चेतना, परंपरा, अध्यात्म और आधुनिकता के संतुलन का जीवंत उदाहरण है। उनके शब्दों में, "बड़वा हरियाणा के उन विरल गाँवों में से है, जहाँ संस्कृति केवल संरक्षित नहीं, बल्कि प्रतिदिन जी जाती है। "

इसी सांस्कृतिक जीवंतता का प्रमाण है कि पिछले ३० वर्षों से रोषड़ा (स्थानीय उच्चारण-रोहसड़ा) जोहड़ पर कलयुग के अवतार माने जाने वाले 'रुन्चे वाले बाबा रामदेव महाराज' का विशाल मेला और खेल प्रतियोगिताएँ निरंतर आयोजित होती आ रही हैं। यह मेला न केवल धार्मिक आस्था का प्रतीक है, बल्कि यह खेल भावना, सामाजिक सहभागिता और सामुदायिक एकजुटता का भी महत्त्वपूर्ण केंद्र बन चुका है। इसी प्रकार गोगा पीर मंदिर प्रांगण में आयोजित डफ प्रतियोगिता हर वर्ष क्षेत्रीय लोक-संस्कृति को जीवंत करती है, जिसमें दूर-दराज़ के कलाकार और श्रद्धालु बड़ी संख्या में भाग लेते हैं। बड़वा की पहचान केवल मंदिरों, मेलों और परंपराओं से ही नहीं बनती, बल्कि यहाँ की जनता के संस्कार, व्यवहार, शिक्षा-श्तर और सरलता भी इसे विशेष बनाती है। लोग अत्यंत शालीन, शिक्षित, व्यवस्थित और आपसी सहयोग की भावना से परिपूर्ण हैं। यहाँ की सामाजिक एकता, पारिवारिक संस्कृति और आपसी सम्मान का वातावरण एक आदर्श ग्रामीण जीवन की छवि प्रश्तुत करता है।

अंततः, बड़वा हरियाणा की सांस्कृतिक, आध्यात्मिक और सामाजिक पहचान का एक उज्ज्वल प्रतीक है-एक ऐसा गाँव, जहाँ परंपरा और आधुनिकता सहज संतुलन में सह-अशितत्व रखती हैं; जहाँ धर्म, लोक-जीवन, शिक्षा और सामाजिक सौहार्द एक ही धारा में प्रवाहित होते हैं; और जहाँ हर आने वाला व्यक्ति अपनत्व और शांति का अनुभव करता है।

अपनी सोच खुद बदले तो दुनिया बदल जाएगी

संजय गोस्वामी

हम आपकी सोच बदलना नहीं चाहते, बल्कि आपको यूनिवर्स के हमेशा रहने वाले नियमों के बारे में बताना चाहते हैं, ताकि आप वो बन सकें जो आप बनने आए हैं। क्योंकि कोई और आपके लिए ये अनुभव नहीं ला सकता की आखिर परमात्मा है क्या।

आपको यह खुद करना होगा। हम यहां आपको किसी भी चीज़ पर यकीन दिलाने नहीं आए हैं; क्योंकि आप किसी भी ऐसी चीज़ पर यकीन नहीं कर सकते जिस पर हम आपकी बात से सहमत न हों। जब हम इस शानदार फिजिकल दुनिया, पृथ्वी को देखते हैं, तो हमें यहां बहुत सारी अलग-अलग चीज़ें दिखती हैं, और इस सारी अलग-अलग चीज़ों में एक बैलेंस है। हम आपको ये यूनिवर्सल नियम बहुत आसान तरीके से समझाएंगे।

इसके अलावा, हम आपको प्रैक्टिकल स्टेप्स भी दिखाएंगे जो आप इन नियमों का इश्तेमाल करके जो कुछ भी पाना चाहते हैं, उसे पाने के लिए उठा सकते हैं। हालांकि हम जानते हैं कि आप इस क्रिएटिव कंट्रोल को सीखकर जल्द ही अपनी ज़िंदगी के अनुभव खोज लेंगे, हम जानते हैं कि आपके लिए सबसे ज़रूरी चीज़ वह आज़ादी होगी जो आपको एक्सेप्टेंस की कला का इश्तेमाल करना सीखने के बाद मिलेगी। सबसे अच्छी बात यह है कि आप यह सब पहले से ही जानते हैं।

हमारा काम बस आपको यह सब फिर से याद दिलाना है। अंदर से, आप इससे पहले से ही वाकिफ हैं। हमें उम्मीद है कि जब आप ये शब्द पढ़ेंगे, तो आपको पता चलेगा कि अगर आप चाहें तो अपने असली रूप को पहचानने के लिए स्टेप-बाय-स्टेप गाइडेंस पाने की ज़रूरत है। हम चाहते हैं कि आप दुनिया में अपनी असलियत को फिर से समझें, क्योंकि यह उन सभी विचारों का सेंटर है जो अपने हर विचार, शब्द और काम से यूनिवर्स पर असर डालते हैं। आप सिर्फ़ अपने होने को घटना को बचाने की कोशिश करने वाले जीव नहीं हैं, बल्कि बनाने वाले हैं, और इस यूनिवर्स की सभी ताकतें आपके नहीं किसके कंट्रोल में हैं।

हम चाहते हैं कि आप अपनी अहमियत को पहचानें। इसे न समझने पर आप उस विरासत से दूर हो जाएंगे जो हम आपको देते हैं: तीन हमेशा रहने वाले यूनिवर्सल नियम, जिन्हें हम आपको अच्छी तरह समझाना चाहते हैं, ताकि आप अपनी ज़िंदगी के फिजिकल बिहेवियर में पूरी उम्मीद, इमोशन और सैटिस्फैक्शन के साथ उनका इश्तेमाल कर सकें। लॉ ऑफ़ अट्रैक्शन इन नियमों में से पहला है। अगर आप इस लॉ ऑफ़ अट्रैक्शन को अच्छे से नहीं समझते या इश्तेमाल नहीं करते हैं, तो आप सेकंड लॉ, यानी होश में बनाने का साइंस, या थर्ड लॉ, यानी एक्सेप्टेंस की कला का इश्तेमाल नहीं कर पाएंगे। सेकंड लॉ को समझने और इश्तेमाल करने से पहले आपको फर्स्ट लॉ को अच्छी तरह समझना और इश्तेमाल करना होगा। इसी तरह, तीसरे लॉ को समझने और इश्तेमाल करने से पहले आपको दूसरे लॉ को समझना और इश्तेमाल करना होगा।

इस पहले लॉ को लॉ ऑफ़ अट्रैक्शन कहते हैं। जो चीज़ें एक जैसी होती हैं, वे अट्रैक्ट होती हैं। भले ही यह बहुत आसान लगे, लेकिन यह यूनिवर्स का सबसे पावरफुल लॉ है। एक ऐसा लॉ जो हर समय सभी चीज़ों पर लागू होता है। ऐसा कुछ भी नहीं है जो इस पावरफुल लॉ से बचा हो। दूसरा लॉ, कॉन्शस क्रिएशन का साइंस, कहता है: "मैं उस बारे में सोचता हूँ जिस पर मुझे विश्वास है या जिसे पाने की उम्मीद है। " शॉर्ट में, आप जो भी सोचते हैं, वह आपको मिलता है, चाहे आपको वह पसंद हो या न हो। कॉन्शस क्रिएशन का साइंस असल में आपके विचारों का कॉन्शस इश्तेमाल है।

अगर आप इस रूल को बिना समझे इश्तेमाल करते हैं, तो आप इसे अपने आप बना लेंगे। तीसरा रूल, एक्सेप्टेंस की कला, कहता है-मैं जैसा हूँ वैसा ही एक्सेप्ट करता हूँ, और मैं बाकी सभी को वैसे ही एक्सेप्ट करता हूँ जैसे वे हैं। जब आप दूसरों को उनकी अभी की हालत में एक्सेप्ट करते हैं, तो आप एक्सेप्टर बन जाएँगे, भले ही वे ऐसा न करें। लेकिन आप इस पॉइंट तक तब तक नहीं पहुँच सकते जब तक आप यह नहीं समझ लेते कि आप जो कुछ भी पा रहे हैं, उसे आप किसे दे रहे हैं।

जब आप यह समझ जाते हैं कि कोई दूसरा इंसान आपके अनुभव का हिस्सा तब तक नहीं बन सकता जब तक आप उन्हें अपने विचारों (या अपने ध्यान) से न बुलाएँ। इसी तरह, सभी हालात आपके अनुभव का हिस्सा तभी बन सकते हैं जब आप उन्हें अपने विचारों (या अपने ऑब्ज़र्वेशन) से बुलाएँ। भगवान श्री राम ही सर्व शक्तिमान हैं क्योंकि उनमें जोड़ने की अद्भुत कला है जैसे लंका तक जाने के लिए भगवान श्री राम का नाम लिखकर नल और

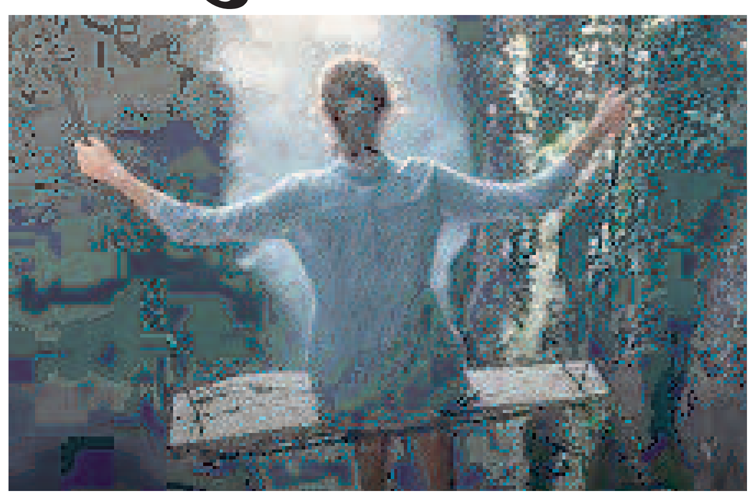

नील ने उस पत्थर में समुद्र में जैसे ही फेंका पत्थर आपस में जुड़ने लगी ऐ है राम के नाम की ताकत के बारे में बात कर रहा हूँ आइज़ैक न्यूटन का बनाया हुआ ग्रेविटेशनल फ़ोर्स का नियम कहता है कि यूनिवर्स में हर चीज़ दूसरी चीज़ को एक ऐसे फ़ोर्स से अट्रैक्ट करती है जो उनके मास के प्रोडक्ट के डायरेक्टली प्रोपोर्शनल और उनके सेंटर के बीच की दूरी के स्क्वायर के इनवर्सली प्रोपोर्शनल होता है।

यह फ़ोर्स अट्रैक्टिव होता है और दो चीज़ों के सेंटर को जोड़ने वाली लाइन के साथ काम करता है। मैथमेटिकल फ़ॉर्मूला फ़ॉर्मूलाः ग्रेविटेशनल फ़ोर्स के आइज़ैक न्यूटन का बनाया हुआ ग्रेविटेशनल फ़ोर्स का नियम कहता है कि यूनिवर्स में हर चीज़ दूसरी चीज़ को एक ऐसे फ़ोर्स से अट्रैक्ट करती है जो उनके मास के प्रोडक्ट के डायरेक्टली प्रोपोर्शनल और उनके सेंटर के बीच की दूरी के स्क्वायर के इनवर्सली प्रोपोर्शनल होता है।

यह फ़ोर्स अट्रैक्टिव होता है और दो चीज़ों के सेंटर को जोड़ने वाली लाइन के साथ काम करता है। मैथमेटिकल फ़ॉर्मूला फ़ॉर्मूलाः ग्रेविटेशनल फ़ोर्स फ़ॉर्मूले का इश्तेमाल करके कैलकुलेट किया जाता है। यह यूनिवर्सल ग्रेविटेशनल कॉन्स्टेंट है, जिसकी वैल्यू लगभग 6.6743 × 10-11 है। जो लगभग शून्य के करीब है अतः ऐ बड़े बड़े मास जो किसी ग्रह पर हो लगते हैं औरः ये दो चीज़ों के मास को दिखाते हैं। यह दो चीज़ों के सेंटर के बीच की दूरी है। मुख्य सिद्धांत मास पर डिपेंडेंसः फ़ोर्स मास के प्रोडक्ट के डायरेक्टली प्रोपोर्शनल होता है। अगर आप एक चीज़ का मास दोगुना करते हैं, तो ग्रेविटेशनल फ़ोर्स दोगुना हो जाता है।

अगर आप दोनों मास को दोगुना करते हैं, तो फ़ोर्स चार गुना ज़्यादा मज़बूत हो जाता है। दूरी पर डिपेंडेंसः फ़ोर्स दूरी के स्क्वायर के इनवर्सली प्रोपोर्शनल होता है। अगर दो चीज़ों के बीच की दूरी दोगुनी हो जाती है, तो ग्रेविटेशनल फ़ोर्स अपनी असली वैल्यू का एक-चौथाई रह जाता है।

यूनिवर्सल नेचरः यह नियम मास वाली सभी चीज़ों पर लागू होता है, पृथ्वी पर गिरते हुए सेब से लेकर सूरज का चक्कर लगाती पृथ्वी तक। एक्शन-रिएक्शनः दो चीज़ों के बीच ग्रेविटेशनल फ़ोर्स एक एक्शन-रिएक्शन पेयर बनाते हैं। सेब पर पृथ्वी का फ़ोर्स, पृथ्वी पर सेब के फ़ोर्स के बराबर होता है। हालाँकि, क्योंकि पृथ्वी बहुत ज़्यादा मास वाली है, इसलिए इसका एक्सेलरेशन न के बराबर होता है। फ़ॉर्मूले का इश्तेमाल करके कैलकुलेट किया जाता है। यह यूनिवर्सल ग्रेविटेशनल कॉन्स्टेंट है, जिसकी वैल्यू लगभग है। औरः ये दो चीज़ों के मास को दिखाते हैं। यह दो चीज़ों के सेंटर के बीच की दूरी है। मुख्य सिद्धांत मास पर डिपेंडेंसः फ़ोर्स मास के प्रोडक्ट के डायरेक्टली प्रोपोर्शनल होता है। अगर आप एक चीज़ का मास दोगुना करते हैं, तो ग्रेविटेशनल फ़ोर्स दोगुना हो जाता है।

अगर आप दोनों मास को दोगुना करते हैं, तो फ़ोर्स चार गुना ज़्यादा मज़बूत हो जाता है। दूरी पर डिपेंडेंसः फ़ोर्स दूरी के स्क्वायर के इनवर्सली प्रोपोर्शनल होता है। अगर दो चीज़ों के बीच की दूरी दोगुनी हो जाती है, तो ग्रेविटेशनल फ़ोर्स अपनी असली वैल्यू का एक-चौथाई रह जाता है।

यूनिवर्सल नेचरः यह नियम मास वाली सभी चीज़ों पर लागू होता है, गिरते हुए सेब से लेकर सूरज का चक्कर लगाती पृथ्वी तक। एक्शन-रिएक्शनः दो चीज़ों के बीच ग्रेविटेशनल फ़ोर्स एक एक्शन-रिएक्शन पेयर बनाते हैं। सेब पर पृथ्वी का फ़ोर्स, पृथ्वी पर सेब के फ़ोर्स के बराबर होता है।

हालाँकि, क्योंकि पृथ्वी बहुत ज़्यादा मास वाली है, इसलिए इसका एक्सेलरेशन न के बराबर होता है। अब मैं इसे भगवान राम से इस प्रकार जोड़ता हूँ मन एक चंचल ग्रह है जो इधर उधर घूमता है इसलिए पहले जो ग्राविटेशनल कांस्टेन्ट है वो बिल्कुल शून्य नहीं बल्कि शून्य के करीब है अब जब ध्यान करेंगे तो एक दम शून्य का मतलब होगा निष्क्रिय लेकिन शून्य के करीब का मतलब शांत से शांत अतः शांत जब मन रहेगा तो आप एक मास की तरह है जो जगह घेरती है और भगवान राम अंतर्यामी हैं लेकिन पूर्ण संसार में फैले हैं अतः मैं उनको सर्वशक्तिमान यानि एक बहुत बड़े से बड़े मास को ले सकता हूँ।

अतः जब ध्यान में भगवान राम को पुकारेंगे तो वो आपकी चुम्बक की शक्ति से आपके मन मश्तिष्क पर एक अट्रैक्शन का बल लगेगा और जो बीच की दुरी है जिसके बढ़ने से जो गुरूत्वीय बल है वो कम होने लगता है अतः जैसे जैसे आपमें और भगवान राम के भक्ति में जब दुरी कम से कम होगी तो गुरूत्व बल अधिक लगेगा और ऐ गुरूत्वीय बल आपस में आकर्षित करती है वही भगवान राम की शक्ति है जो स्पष्ट रूप से दिखाई तो नहीं देती लेकिन आपको आकर्षित करेगी।

अतः भगवान राम की शक्ति सर्वशक्तिमान है भगवान राम की कृपा से ही मेरी सांस चल रही है जो आदि है ना अन्त है वही भगवान राम है जो मौत और जीवन से परे है वही भगवान राम है अतः जब शांतमन से ध्यान करेंगे तो इसका चुम्बक की शक्ति का अहसास होगा और उनके चरणों के गुरूत्वीय बल से हमेशा आप एक बल का अनुभव करेंगे जो ना कभी किसी से डरेगा और ना ही किसी से बैर करेगा और अन्त समय फिर कभी नहीं रोयेगा.उनके ध्यान से आपकी सोचने और बदलने की इक्षा अपने आप आएगी.अतः अपनी सोच खुद बदले तो दुनिया बदल जाएगी.

आईआईटीएफ 2025 : व्यापार, नवाचार और सांस्कृतिक वैभव का उत्सव

आत्मनिर्भर भारत का सबसे बड़ा उत्सव है ट्रेड फेयर

योगेश कुमार गोयल

14 नवंबर से 27 नवंबर 2025 तक दिल्ली के प्रगति मैदान में 45वां भारत अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेला भव्य रूप में आयोजित हो रहा है। साल दर साल यह मेला न केवल देश के व्यापार को बढ़ावा देता है बल्कि भारत की विविध संस्कृति, कला, तकनीक और नवाचार को भी दुनिया के साथ साझा करने का सबसे बड़ा मंच बन चुका है।

प्रगति मैदान में हर वर्ष लगने वाला यह अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेला देश की आर्थिक, सांस्कृतिक और तकनीकी प्रगति का जीवंत उत्सव है। यह वह मंच है, जहां भारत अपने भीतर छिपी विशाल संभावनाओं, विविधताओं और नवाचारों को दुनिया के सामने पूरी ऊर्जा और भव्यता के साथ प्रश्तुत करता है। इस वर्ष आयोजित किया जा रहा 45वां भारत अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेला कई मायनों में अत्यंत खास है। यह केवल खरीदारी का मौका नहीं बल्कि हर आगंतुक के लिए सीख, अनुभव, मनोरंजन और वैश्विक सामंजस्य का अनूठा संगम बन चुका है। 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' की थीम के साथ यह आयोजन देश की सांस्कृतिक एकता, तकनीकी क्षमता, आत्मनिर्भरता की भावना और वैश्विक श्तर पर भारत की बढ़ती भूमिका को नई पहचान देता है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा इस मेले को 'आत्मनिर्भर भारत का उत्सव' कहना अपने आप में इस आयोजन की महत्ता को दर्शाता है। यह वाश्तव में वही स्थान है, जहां भारत दुनिया से मिलता है, दुनिया भारत को समझती है और दोनों मिलकर नए विचारों और नए अवसरों का मार्ग प्रशश्त करते हैं। यही कारण है कि यह मेला दक्षिण एशिया का सबसे बड़ा बी2बी और बी2सी मंच बन चुका है, जहां कारोबार, तकनीक, परंपरा, निवेश, नवाचार और संस्कृति सब एक ही स्थान पर आकार लेते हैं। इस वर्ष मेले में 11 देशों ने भागीदारी की है, जिनमें चीन, थाईलैंड, मलेशिया, दक्षिण कोरिया, तुर्किये, मिस्र, लेबनान, ईरान, यूएई, स्वीडन और ट्यूनीशिया शामिल हैं। इन देशों की भागीदारी न केवल अंतर्राष्ट्रीय व्यापार संबंधों को मजबूत बनाती है बल्कि भारत के युवाओं, उद्यमियों और उद्योगों के लिए सीखने और सहयोग के नए द्वार खोलती है। विदेशी स्टॉलों पर तकनीक, फैशन, कृषि, इलैक्ट्रॉनिक्स, कला, होम डेकोर और जीवनशैली से जुड़े उत्पादों का ऐसा अनूठा मिश्रण देखने को मिलता है, जो किसी भी आगंतुक को वैश्विक बाजारों की ताजा हलचल और रुझानों से जोड़ देता है।

भारत के राज्यों की भागीदारी इस मेले की सबसे बड़ी विशेषता है क्योंकि यहां देश की सांस्कृतिक और आर्थिक विविधता एक ही छत के नीचे साकार होती है। इस बार बिहार, राजस्थान, उत्तर प्रदेश और महाराष्ट्र पार्टनर स्टेट हैं जबकि झारखंड को 'फोकस स्टेट' का विशेष दर्जा दिया गया है।

इन राज्यों के मंडपों में कला, लोककला, परंपरागत शिल्प, कृषि आधारित नवाचार, औद्योगिक प्रगति, पर्यटन, स्वास्थ्य, शिक्षा, स्टार्टअप इकोसिस्टम और सरकारी योजनाओं की झलक मिलती है। यह वह मौका है, जब आगंतुक केवल देखते नहीं बल्कि समझते भी हैं कि भारत की सच्ची ताकत उसकी विविधता में है और यही विविधता उसे वैश्विक मंच पर सबसे अलग बनाती है।

मेले के हॉलों में इस बार अत्याधुनिक तकनीक से लेकर परंपरागत कला तक सब कुछ देखने को मिलेगा। इलैक्ट्रॉनिक्स, साइबर सुरक्षा, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, स्टार्टअप इनोवेशन, वस्त्र, मसाले, हश्तशिल्प, एमएसएमई उत्पाद, खादी और ग्रामीण विकास से जुड़े हजारों उत्पाद प्रदर्शित किए जा रहे हैं। हॉल 8, 9 और 10 में 'सरस मेला' देशभर की स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं को अपने उत्पादों को प्रदर्शित करने का बड़ा अवसर देता है। यहां ओडीओपी (वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रॉडक्ट) की झलक भी देखने को मिलती है, जो स्थानीय उत्पादों को राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय श्तर पर नई पहचान देने का महत्वपूर्ण प्रयास है। खादी और ग्रामोद्योग आयोग, आयुष मंत्रालय, रेलवे, आरबीआई, एलआईसी, एनसीईआरटी, पीएमबीआई और कई अन्य प्रमुख सरकारी संस्थाएं भी इस मेले में अपने नवाचार और सेवाओं के माध्यम से देश की प्रगति को दर्शाती हैं।

यह मेला वाश्तव में भविष्य की दिशा दिखाता है, एक ऐसा भारत, जो परंपरा को भी संभाले हुए है और आधुनिक तकनीक के साथ कदम से कदम मिलाकर आगे बढ़ रहा है। इस मेले की एक और खासियत इसका सांस्कृतिक वैभव है। रोजाना विभिन्न राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के सांस्कृतिक कार्यक्रम खुले मंचों पर प्रश्तुत किए जाते हैं। लोक संगीत, शास्त्रीय नृत्य, जनजातीय नृत्य, फोक फ्यूजन और पारंपरिक कला का अनूठा मेल न केवल वातावरण को जीवंत बनाता है बल्कि आगंतुकों को भारत की सांस्कृतिक आत्मा से जोड़ देता है। साथ ही, भारतीय व्यंजनों की खुशबू और स्वाद हर आगंतुक के लिए इस मेले के अनुभव को अविस्मरणीय बना देते हैं।

प्रगति मैदान जैसे विशाल परिसर में सुचारू व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए इस वर्ष विशेष प्रबंध किए गए हैं। हर हॉल के पास फर्स्ट एड बूथ, मेडिकल सुविधाएं, दर्जनों एंबुलेंस और पर्याप्त संख्या में व्हीलचेयर की व्यवस्था की गई है। 245 यातायात पुलिसकर्मियों की तैनाती, 16 बाइक पैट्रोल टीमें, 15 क्रेन और तीन आपदा प्रबंधन वाहन मेले की भीड़-भाड़ को नियंत्रित करने में सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। यातायात नियंत्रण कक्ष और सोशल मीडिया पर लगातार जारी की जा रही ट्रैफिक एडवाइजरी सुनिश्चित करती है कि कोई भी आगंतुक परेशानी का सामना न करे।

टिकट व्यवस्था की बात करें तो 19 से 27 नवंबर तक आम जनता के लिए सामान्य दिनों में 80 रुपये और सप्ताहांत पर 150 रुपये का टिकट रखा गया है। बच्चों के लिए टिकटें 40 और 60 रुपये हैं जबकि वरिष्ठ नागरिकों और दिव्यांगजन के लिए प्रवेश पूर्णतः निःशुल्क है। टिकट दिल्ली मैट्रो स्टेशनों और आईटीपीओ की वेबसाइट पर आसानी से उपलब्ध हैं।

आवागमन के लिए दिल्ली मैट्रो सबसे सुरक्षित और सुविधाजनक विकल्प है। सुप्रीम कोर्ट मैट्रो स्टेशन सीधे भारत मंडपम के प्रवेश द्वार तक पहुंच प्रदान करता है। गेट नंबर 3, 4, 6 और 10 से आगंतुकों का प्रवेश सुनिश्चित किया गया है जबकि अन्य द्वारों पर प्रवेश प्रतिबंधित है। ट्रैफिक को ध्यान में रखते हुए प्रगति मैदान के आसपास कई मार्गों में बदलाव किए गए हैं, इसलिए सलाह दी जाती है कि वाहन से आने वाले लोग पार्किंग संबंधी दिशा-निर्देशों का पालन करें। बेसमेंट पार्किंग और राष्ट्रीय स्टेडियम पार्किंग में बड़े पैमाने पर वाहन पार्किंग की सुविधा है।

कुल मिलाकर, भारत अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेला केवल एक प्रदर्शनी नहीं बल्कि यह उन लाखों लोगों का साझा मंच है, जो भारत के सपनों, संभावनाओं, उद्यमिता, नवाचार और सांस्कृतिक गौरव को साथ लेकर चलते हैं। यह मेला बताता है कि भारत न केवल दुनिया से सीख रहा है बल्कि दुनिया को बहुत कुछ सिखाने की क्षमता भी रखता है। यहां हर स्टॉल एक नई कहानी कहता है, कहीं नवाचार की, कहीं परंपरा की, कहीं तकनीक की तो कहीं रचनात्मकता और संस्कृति की। यही विविधता और बहुआयामी आकर्षण इसे हर साल देश-दुनिया के लिए खास बनाता है। इस वर्ष का आयोजन इसलिए भी अधिक महत्वपूर्ण है क्योंकि यह भारत की विकास यात्रा, आत्मनिर्भरता, तकनीकी क्षमता और सांस्कृतिक शक्ति का सम्मिलित स्वरूप प्रश्तुत करता है। प्रगति मैदान का यह मेला वाश्तव में भारत की प्रगति, प्रतिभा और पहचान का भव्य उत्सव है, एक ऐसा उत्सव, जिसे हर भारतीय को कम से कम एक बार जरूर अनुभव करना चाहिए क्योंकि यहां पहुंचकर वाश्तव में महसूस होता है कि 'जहां भारत मिलता है दुनिया से', वहीं भविष्य की राहें बनती हैं।

जब कानून और समाज आमने-सामने खड़े हों

डॉ. प्रियंका सौरभ

भारत जैसे विशाल और विविध सामाजिक ढाँचे वाले राष्ट्र में व्यक्ति के अधिकार और समाज की सामूहिक मर्यादाएँ एक-दूसरे से लगातार टकराती रहती हैं।

संविधान व्यक्ति को स्वतंत्रता देता है, अपनी पसंद का जीवनसाथी चुनने का अधिकार देता है, लेकिन सामाजिक परम्पराएँ यह स्वीकार नहीं कर पातीं कि कोई लड़की या लड़का परिवार की इच्छा और बिरादरी की मान्यताओं से अलग कोई जीवननिर्णय ले। यह संघर्ष नया नहीं है, लेकिन आज की जमीनी हकीकत में इसका तनाव कहीं अधिक विकराल रूप ले चुका है।

हाल ही की एक त्रासदी में यही टकराव खुलकर सामने आया, जब एक युवती ने अपने ही गाँव के युवक से विवाह कर लिया-ऐसा विवाह जो पूरी तरह कानूनी था, लेकिन समाज की दृष्टि में सर्वथा अस्वीकार्य। सामाजिक विरोध, पंचायत की मनाही, परिवार की पीड़ा और प्रतिष्ठा के दबाव के बीच लड़की शहर चली गई थी, पर कुछ समय बाद वापस अपने ही पैतृक गाँव में बहू बनकर लौट आई। यही वापसी समाज को चुनौती की तरह दिखाई दी और परिवार पर अत्यन्त तीव्र मनोवैज्ञानिक दबाव पड़ा। वही दबाव परिस्थितियों को उस कगार तक ले गया जहाँ भाई ने अपनी ही बहन की हत्या कर दी। इस एक क्षण ने न केवल एक जीवन छीना, बल्कि पूरे परिवार को बर्बाद कर दिया।

यह घटना सिर्फ मानवता पर एक चोट नहीं है, यह एक ऐसा दर्पण भी है जिसमें हम अपने समय की सबसे बड़ी विडंबना को साफ देख सकते हैं-कानून कुछ कहता है, समाज कुछ और। व्यक्ति की स्वतंत्रता एक दिशा में जाती है, जबकि परंपराएँ दूसरी दिशा में खींचती हैं। इन दोनों के बीच जो परिवार खड़ा होता है, वह अक्सर दोनों ओर से घायल होता है। कानून वयस्कता की उम्र तय कर देता है, पर वह ग्रामीण समाज की संवेदनात्मक संरचना, परिवार की प्रतिष्ठा, और सामुदायिक दबाव को नहीं समझता। वहीं समाज स्वतंत्रता के अधिकार को "अवज्ञा" या "विद्रोह" की तरह देखता है और परिवार पर ऐसी जिम्मेदारियाँ डाल देता है जिन्हें निभाना असंभव है।

परिवार ही इस संघर्ष का सबसे बड़ा पीड़ित बनता है। बेटी का गांव छोड़कर जाना, रिश्तेदारों की टिप्पणियाँ, पंचायत का दबाव, सामाजिक प्रतिष्ठा का संकट-ये सभी घटनाएँ एक घर को भीतर से हिलाकर रख देती हैं। कानून परिवार से लड़की को स्वीकार करने का संदेश देता है, जबकि समाज उसे अस्वीकार करने का दबाव डालता है। ये दोनों ताकतें परिवार को दो हिस्सों में चीर देती हैं-एक हिस्सा जिसे मन ने स्वीकार कर लिया है, और दूसरा हिस्सा जिसे समाज स्वीकार नहीं करने देता। ऐसे में विवेक धुंधला पड़ जाता है और भावनाएँ निर्णयों पर हावी होने लगती हैं।

इस घटना का सबसे भयावह पहलू यह था कि सोशल मीडिया पर 95 प्रतिशत टिप्पणियाँ इस हत्या को "सही" ठहरा रही थीं। यह केवल कुछ व्यक्तियों की राय नहीं, बल्कि समाज में पनप रही एक खतरनाक सामूहिक सोच का संकेत है। जब कोई समाज अपनी भावनाओं और परंपराओं के दबाव में हत्या जैसे अपराध को भी न्याय मानने लगे, तो यह किसी भी सभ्य व्यवस्था के लिए अत्यन्त गंभीर स्थिति है। कानून की शक्ति तभी तक है जब तक समाज उसे नैतिक समर्थन देता है। जब समाज हिंसा को नैतिक ठहराने लगे, कानून कमजोर नहीं, बल्कि अप्रासंगिक हो जाता है। और यही स्थिति किसी राष्ट्र के लिए सबसे बड़ी चेतावनी है।

विवाह की स्वतंत्रता का प्रश्न भी इस घटना में नए दृष्टिकोण से उभरता है। भारतीय कानून मानता है कि 18 और 21 वर्ष की उम्र में व्यक्ति परिपक्व और स्वतंत्र निर्णय लेने योग्य होता है। पर क्या वाश्तव में यह उम्र जीवन का सबसे महत्वपूर्ण निर्णय बिना परिवार के अनुभव, बिना सामाजिक समझ, बिना भविष्य की जिम्मेदारियों को समझे लेने के लिए पर्याप्त है? भारतीय परिवार व्यवस्था में विवाह केवल दो व्यक्तियों का मामला नहीं होता, यह दो परिवारों, रिश्तों और समाजों का मामला होता है। ऐसे में कम आयु में किया गया आवेगपूर्ण निर्णय केवल व्यक्ति नहीं, पूरे परिवार को प्रभावित करता है।

यही कारण है कि कई लोग तर्क देते हैं कि विवाह के लिए माता-पिता की सहमति आवश्यक होनी चाहिए-कम से कम 30 वर्ष की आयु तक। यह विचार सामाजिक अनुभवों से उत्पन्न है, पर संवैधानिक दृष्टि से कठिन है। यदि माता-पिता की सहमति अनिवार्य कर दी जाए, तो यह युवाओं पर अत्यधिक दबाव और कई मामलों में दमन को भी जन्म दे सकता है। फिर भी यह भी सच है कि परिवार से विमुख होकर किए गए विवाहों के परिणामों का सबसे बड़ा बोझ परिवारों को ही उठाना पड़ता है। यह द्वंद्व इतना गहरा है कि कोई भी पक्ष न पूरी तरह सही ठहराया जा सकता है, न पूरी तरह गलत।

समाज अक्सर कहता है कि लड़की ने "परिवार की कई हत्याएँ कर दीं"-यह भाषा कानूनी नहीं, बल्कि भावनात्मक है। कानून भावनात्मक मृत्यु को अपराध नहीं मान सकता। पर परिवार इसे वाश्तविक समझता है क्योंकि वे इसे प्रत्यक्ष जीते हैं। यही वह खाई है जिसे पाटना सबसे कठिन है। कानून कहता है निर्णय व्यक्तिगत है; समाज कहता है निर्णय सामूहिक है। और इन्हीं दो कथनों के बीच वह परिवार टूट जाता है जिसके इर्द-गिर्द इस तरह की घटनाएँ जन्म लेती हैं।

इस मामले में सबसे अधिक नुकसान उसी परिवार का हुआ जिसने न अपराध चुना, न विद्रोह। लड़की की जान चली गई, भाई का जीवन जेल में समाप्त, माता-पिता ने एक बेटी और एक बेटे दोनों को खो दिया, घर की आर्थिक-सामाजिक नींव हिल गई, बच्चों का भविष्य अनिश्चित हो गया। जबकि समाज के लिए यह महज चर्चा का विषय रह गया, और सरकार के लिए सिर्फ एक केस फाइल।

प्रश्न यह है कि सरकार क्या कर सकती है? भागकर विवाह पर रोक समाधान नहीं है, पर इस प्रक्रिया में सुधारों की आवश्यकता है। विवादित विवाह से पहले अनिवार्य परामर्श, परिवार-युवा मध्यस्थता, पंचायतों के अधिकारों पर स्पष्ट सीमा, और स्कूल-कॉलेजों में सामाजिक जिम्मेदारी की शिक्षा-ये सभी कदम जरूरी हैं।

न्यायिक और प्रशासनिक संस्थाओं को भी परिवार की सामाजिक पीड़ा को समझने की आवश्यकता है। फिर भी सरकार और कानून दोनों अकेले समस्या हल नहीं कर सकते। जब तक समाज संवाद को हिंसा से ऊपर नहीं रखेगा, जब तक परिवार गुस्से से ऊपर संवाद को नहीं चुनेगा, और जब तक युवा आवेग को निर्णय का आधार बनाना बंद नहीं करेंगे-तब तक ऐसी त्रासदियाँ रुकने वाली नहीं हैं।

आज़ादी का अर्थ स्वेच्छाचार नहीं, और परंपरा का अर्थ दमन नहीं। दोनों के बीच संतुलन ही सभ्यता का आधार है। अंततः यही समझना होगा कि कानून और समाज की लड़ाई में जीत किसी की नहीं होती-हार हमेशा एक इंसान और एक परिवार की ही होती है।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक श्रीमती आशा शर्मा द्वारा 707 मंदाकिनी टावर सेक्टर -4, वैशाली गाजियाबाद (उत्तर प्रदेश) भारत से प्रकाशित एवं एन.सी.आर. प्रिंटर्स, 15/19 साइट-4, साहिबाबाद इंडस्ट्रीयल एरिया जनपद गाजियाबाद से मुद्रित। **संपादक** : संजय शर्मा
फोन: 9899683800 वेबसाइट : www.khabariya.com **ई-मेल:** todayncr@gmail.com >> ncrtoday@hotmail.com **RNI**-UPHIN/2009/30721

गुम हुई तीन वर्षीय बालिका को पुलिस ने परिजनां को सौंपा

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷

थाना दादों पुलिस टीम द्वारा घर के बाहर खेलते हुए गुम हुई तीन वर्षीय बच्ची को बरामद कर परिजनों के सुपुर्द कर चेहरे पर मुस्कान लौटाई है।

थाना प्रभारी दादों द्वारा क्षेत्र भ्रमण के दौरान ग्राम सिधौली खुर्द में एक तीन वर्षीय बच्ची मिली जो अपने पिता व अपना निवास स्थान बताने में असमर्थ थी । बच्ची ने बताया कि वह खेल खेल में अपने घर से राश्ता भटककर ग्राम सिधौली खुर्द में आ गयी है। एसएसपी द्वारा जनपद में गुमशदा बच्चों की तलाश, शीघ्र बरामदगी एवं राश्ता भटके हुए बच्चों को परिजनों से मिलाने हेतु चलाये जा रहे अभियान "ऑपरेशन मुस्कान" के क्रम में थाना दादों पुलिस टीम द्वारा सीसीटीवी फुटेज, जनसहयोग व आस-पास के गली मौहल्ले में प्रचार-प्रसार कर बच्ची के परिजनों को तलाश कर सुपुर्द किया गया। ब्रामद करने वाली पुलिस टीम में प्रभारी निरीक्षक सरिता द्विवेदी, उ.नि. अभिनव जादौन, उ.नि. सचिन कुमार हे. कां. योगेश कुमार, म.कां. नेहा गौतम थाना दादों आदि मौजूद थे। परिजनों द्वारा दोनों बच्चियों को सकुशल पाकर अलीगढ़ पुलिस की भूरि-भूरि प्रशंसा की गई।

ड़ीएम के साथ एसएसपी ने वेयर हाउस का जाना हाल

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷

जिलाधिकारी व एसएसपी द्वारा निर्वाचन कार्यालय स्थित ईवीएम भंडारण केंद्र/वेयरहाउस का निरीक्षण किया गया। ड़ीएम और एसएसपी द्वारा निर्वाचन कार्यालय के ईवीएम मशीन भंडारण केंद्र/वेयरहाउस का निरीक्षण किया गया।

निरीक्षण के दौरान परिसर की सुरक्षा व्यवस्था का विस्तार से जायजा लेते हुए भंडारण कक्षों के ताले एवं सील,परिसर में लगे अग्निशमन यंत्र, सीसीटीवी कैमरे,अभिलेखों की जाँच की गई। इस दौरान जिलाधिकारी एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अलीगढ़ द्वारा ईवीएम मशीनों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए, सुरक्षा ड्यूटी पर तैनात पुलिस कर्मियों एवं समश्त अधीनस्थ अधिकारियों/कर्मचारियों को सतर्कता, अनुशासन एवं निर्धारित सुरक्षा प्रोटोकॉल का पूर्णतः पालन सुनिश्चित कराने के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिये गए।

बॉलीवुड़ अभिनेता धर्मेन्द्र का रहा मशहूर गायक से नाता

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷

बॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता धर्मेंद्र का अलीगढ़ में लम्बे समय आना-जाना लगा रहा है और उन्हें गोपलादास नीरज से अपनी फिल्मों के लिये गाने भी लिखवाये थे। अभिनेता धर्मेन्द्र का 89 साल की उम्र में निधन हो गया।

अभिनेता धर्मेंद्र की फिल्म मेरा नाम जोकर में गोपाल दास नीरज ने अमर गीत ए भाई जरा देखकर चलो, आगे भी नहीं पीछे भी... लिखा था जो राज कपूर पर फिल्माया गया। इस फिल्म में धर्मेंद्र भी एक रशियन कलाकार के साथ अभिनय कर रहे थे। इसके अलावा धर्मेंद्र की पहली सुपरहिट फिल्म फूल और पत्थर रिलीज के समय दिल्ली से धर्मेंद्र और फिल्म के निर्देशक ओपी रल्हन, जिन्होंने इस फिल्म में अभिनय भी किया था, दोनों को अलीगढ़ के निशात सिनेमा पर आना था।

निशात सिनेमा में लोगों की बहुत भीड़ थी। धर्मेंद्र को देखने के लिए हजारों लोग बारहद्वारी पर इकट्ठा हो गए। देर रात ओपी रल्हन एक गाड़ी से आए। मौजूद लोगों से कहा गया कि धर्मेंद्र कुछ व्यवस्था के चलते नहीं आ पाए हैं, लेकिन उन्होंने अपना प्यार और शुभकामनाएं अपने प्रशंसकों को भेजी हैं। इसके अलावा रल्हन ने फिल्म के कुछ संवाद भी लोगों के सामने प्रस्तुत किए थे।

इनका कहना है..

गोपाल दास नीरज के पुत्र मिलन प्रभात नीरज ने बताया कि पापा के साथ आरके स्टूडियों में धर्मेंद्र से मुलाकात हुई। पापा ने उनकी कई फिल्मों के लिए गीत भी लिखे थे। धर्मेंद्र महान अभिनेता थे।

किसानों के साथ वादा खिलाफी एक वर्ष बाद भी नहीं चालू हुई चीनी मिल

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷

2022 में किए गए वादे को पूरा न करने पर गन्ना मंत्री चौधरी लक्ष्मी नारायण से किसानों ने नाराजगी जताई। किसानों ने साथा चीनी मिल को शुरू कराने के वादे को तीन साल बाद भी पूरा न होने पर आर्थिक नुकसान का आरोप लगाया। मंत्री के आश्वासन से असंतुष्ट किसानों ने विरोध प्रदर्शन किया और जल्द समाधान न होने पर आंदोलन की चेतावनी दी।

प्रभारी मंत्री की मौजूदगी में ही किसानों ने मुर्दाबाद के नारे लगाए। चेतावनी दी कि यदि जल्द निर्णय नहीं हुआ तो वे बड़ा आंदोलन करेंगे। प्रशासनिक अधिकारियों ने किसानों को समझा-बुझाकर शांत कराया।

प्रदेश के गन्ना विकास एवं चीनी मिलें मंत्री व जिले के प्रभारी मंत्री चौधरी लक्ष्मी नारायण सर्किट हाउस पहुंचे। जहां उन्होंने जनप्रतिनिधियों व पुलिस-प्रशासन के साथ कोर कमेटी की बैठक की। जिले के विकास कार्यों पर चर्चा चल ही रही थी कि बड़ी संख्या में गन्ना किसान उनसे मिलने पहुंच गए। किसानों ने मंत्री को 2022 में किया गया वादा याद दिलाया। किसानों का कहना था कि उस समय मंत्री ने आश्वासन दिया था कि एक वर्ष में साथा चीनी मिल शुरू करा दी जाएगी।

राम मंदिर ध्वजारोहणः हनुमानगढ़ी दर्शन करने नहीं जाएंगे पीएम मोदी, कार्यक्रम में किया गया आंशिक बदलाव

अयोध्या , एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आगमन से पहले रामनगरी का हर मोड़, मंदिर-मार्ग और घर-आंगन दिव्यता से झिलमिला उठा है। कार्यक्रम में आंशिक बदलाव के चलते पीएम मोदी इस बार हनुमानगढ़ी दर्शन करने नहीं जाएंगे। ध्वजारोहण समारोह राम मंदिर की पूर्णता का संदेश है और मंदिर में राजाराम भी विराजित हो गए हैं। ऐसे में राजाराम के स्वागत को लेकर रामनगरी वैसे ही सजधज रही है जैसे राम आगमन पर अवधपुरी निखरी होगी।

हनुमानगढ़ी के पुजारी रमेश दास ने बताया कि हनुमानगढ़ी में पीएम के आगमन की कोई सूचना नहीं है, पहले उन्हें हनुमानगढ़ी दर्शन के लिए आना था। उधर राम मंदिर परिसर में मेहमानों के बैठने के लिए बनाए गए ब्लॉकों की संख्या 15 से बढ़ाकर 19 कर दी गई है।

रविवार को हर एक ब्लॉक में कुर्सियां लगाने का काम चलता रहा। मेहमानों को प्रवेशिका भी दी जाने लगी है, इस पर अंकित क्यूआरकोड को स्कैन करने के बाद उनकी पहचान होगी, फिर उन्हें मंदिर में प्रवेश मिलेगा। मेहमानों का आगमन सोमवार से शुरू हो जाएगा। कारसेवक पुरम व तीर्थ क्षेत्र पुरम में मेहमानों की सुविधा के लिए कार्यालय भी खोल दिए गए हैं। अवध, काशी, गोरक्ष व कानपुर प्रांत के अलग-अलग कार्यालय बनाए गए हैं।

मेहमानों को इन कार्यालयों से हर जरूरी जानकारी व सुविधा के लिए मार्ग दर्शन प्राप्त होगा। वहीं राम मंदिर ट्रस्ट की ओर आठ स्थानों पर सात भोजनालय का शुभारंभ भी रविवार से हो गया है।

अंगद टीला पर संचालित सीता रसोई में रामलला का प्रसाद पाकर श्रद्धालु तृप्त हो रहे हैं। राम मंदिर में रविवार रात लेजर शो का रिहर्सल भी किया गया। मंदिर के शिखर से लेकर मंडपों पर लेजर शो के जरिये राम विवाह के दृश्य दर्शाए गए।

विदेशी फूलों से दमक रहा राम मंदिर

राम मंदिर अभी ऐसा लग रहा है मानो स्वर्ग की बगिया धरती पर उतर आई हो। थाईलैंड, वियतनाम आदि देशों से आए दुर्लभ पुष्पों की सुगंध से प्रांगण दिव्यमय हो उठा है। गुलाबी और सफेद लिलियम, आर्किड की मोहक पंखुड़ियां, ट्यूलिप के कोमल रंग, स्टार, दहेलिया आदि मिलकर मंदिर को एक भव्य आभा दे रहे हैं।

राम मंदिर परिसर को सजाने में 50 क्विंटल व आद्य शंकराचार्य द्वार, रामानंदाचार्य द्वार, माध्वाचार्य द्वार को सजाने में कुल 30 क्विंटल फूलों का प्रयोग किया गया है। पूरे मंदिर परिसर को सजाने में 80 क्विंटल देशी-विदेशी फूलों का प्रयोग हुआ है।

कई समाज के प्रतिनिधि होंगे शामिल

ध्वजारोहण समारोह के लिए संघ ने पूरी ताकत झोंक दी है। मैराथन बैठकों का दौर जारी है। रविवार को भी राममंदिर के यात्री सुविधा केंद्र में बैठक हुई। बैठक में जिन समाज के प्रतिनिधि शामिल हो रहे हैं उसकी भी जानकारी दी गई।

इनमें कहार, बारी, बक्सोर, नाई, कुम्हार, गड़ेरिया, लोधी, यादव, माली, धोबी, लोहार, तमोली, पासी, वाल्मीकि, रविदास, बहेलिया, कसौधन, नट, कुर्मी, सिख और अन्य समुदायों के प्रतिनिधि शामिल हैं। इसके अलावा मुस्लिम, सिख व जैन धर्म से भी मेहमान आमंत्रित हैं।

पीएम करेंगे रोड शो, समूहों की 5 हजार महिलाएं करेंगी अगवानी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 25 नवंबर को राम मंदिर के शिखर पर भगवा ध्वज फहराकर ध्वजारोहण समारोह का शुभारंभ करेंगे। उनका एयरपोर्ट से साकेत महाविद्यालय तक हेलीकॉप्टर से पहुंचना प्रस्तावित है। साकेत महाविद्यालय से श्रीराम जन्मभूमि मंदिर तक भव्य रोड शो भी आयोजित होगा। रोड शो के एक किमी लंबे रामपथ को आठ जोन में विभाजित किया गया है। प्रत्येक जोन में स्वयं सहायता समूह की महिलाएं पारंपरिक तरीके से थाली, आरती, फूल-माला और नमस्कार मुद्रा के साथ पीएम की अगवानी करेंगी। जिला प्रशासन ने इसके लिए अलग-अलग समाज और समूहों की महिलाओं को जिम्मेदारी सौंपी है। जोनवार व्यवस्था के तहत जोन-एक में एसडीएम श्रेया की निगरानी में 150 महिलाएं, जोन-दो (पीएचसी चक्रतीर्थ के पास) एसडीएम गजेंद्र सिंह की देखरेख में 200 महिलाएं, जोन-तीन में निषाद समाज की 300 महिलाएं, जोन-चार (अरुंधती पार्किंग के पास) 1200 महिलाएं, जोन-पांच (सारा इंटरप्राइजेज प्लॉट) पर 300 महिलाएं, जोन-छह (दर्शन सेल) पर 1000 महिलाएं, जोन-सात (यूसुफ आरा मशीन) पर 300 महिलाएं व जोन-आठ (खटीक समाज की भूमि) पर 1500 महिलाएं स्वागत के लिए तैनात रहेंगी। जोनवार जिम्मेदारी भी तय कर दी गई है। जोन एक व दो की जिम्मेदारी डीडीओ महेंद्र देव, जोन तीन व चार की डीआईओएस डॉ. पवन तिवारी, जोन पांच व छह की बेसिक शिक्षा अधिकारी लाल चंद्र व डीपीओ अजय त्रिपाठी और जोन सात व आठ की जिम्मेदारी डीपीआरओ अविनाश कुमार को सौंपी गई है। सभी अधिकारी लगातार रिहर्सल और तैयारियों की मॉनीटरिंग कर रहे हैं।

राम मंदिर में ध्वजारोहणः आयोजन के बाद मोदी करेंगे रोड शो; 5 हजार महिलाएं करेंगी अगवानी

प्रधानमंत्री के स्वागत व अभिनंदन की तैयारियों के लिए भाजपा का संपर्क व संवाद अभियान जारी है। ध्वजारोहण समारोह के आयोजन को अद्वितीय स्वरूप देने के लिए हजारों संतों की मौजूदगी सुनिश्चित की जा रही है। संतों की ओर से वैदिक मंत्रोच्चारण, शंखनाद और घंटों की ध्वनि से प्रधानमंत्री का अभिनंदन किया जाएगा। इसी कड़ी में अयोध्या विधायक वेद प्रकाश गुप्त और भाजपा महानगर अध्यक्ष कमलेश श्रीवास्तव ने रंगमहल मंदिर पहुंच कर महंत रामशरण दास से मुलाकात की। अन्य प्रमुख मंदिरों के महंतों व संतों से भी संपर्क कर उन्हें स्वागत-अभिनंदन कार्यक्रम के लिए आमंत्रित किया। इसमें जगन्नाथ मंदिर व अमांवा मंदिर के संत शामिल हैं। संतों के साथ हर प्रतिष्ठान पर जाकर विधायक व महानगर अध्यक्ष ने व्यापारियों से संपर्क स्थापित किया।

विधायक ने कहा कि प्रधानमंत्री का आगमन रामनगरी के लिए सौभाग्य और गौरव का अवसर है। उनका स्वागत अयोध्या की आध्यात्मिक गरिमा और परंपरा के अनुरूप भव्य करने की तैयारी की जा रही है। हजारों संतों की उपस्थिति इस कार्यक्रम को ऐतिहासिक बनाएगी। अभिनंदन कार्यक्रम के दौरान अयोध्या की सनातन संस्कृति की दिव्यता प्रधानमंत्री के समक्ष अपने श्रेष्ठतम रूप में प्रकट होगी। महानगर अध्यक्ष ने कहा कि प्रधानमंत्री के स्वागत के दौरान संतों की उपस्थिति के स्थान को चिह्नित कर दिया गया है। भाजपा पदाधिकारी व कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारी भी सौंप दी गई है।

संत रामपाल के सत्संग मे, सैकड़ों श्रद्धालु हुए शामिल, दहेज-मुक्त विवाह: मात्र 17 मिनट में बिना फिजूल खर्च हुआ संपन्न

✷ एनसीआर टुडे. धामपुर ✷

धामपुर के सुमंगलम् फार्म हाउस में संत रामपाल जी महाराज का भव्य सत्संग आयोजित किया गया।

जिसमें धामपुर और आसपास के क्षेत्रों से सैकड़ों की संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। सत्संग में प्रोजेक्टर के माध्यम से संत रामपाल जी महाराज ने अपने मंगल प्रवचन में सभी धर्म ग्रन्थों और शास्त्रों के प्रमाणों के आधार पर मनुष्य जीवन का मूल उद्देश्य भक्ति करना बताया।

दहेज-मुक्त विवाह का आयोजन

सत्संग के दौरान समाज सुधार की दिशा में एक और कदम बढ़ाते हुए दहेज-मुक्त विवाह संपन्न कराया गया। यह विवाह पूर्णतः सादगी से, बिना किसी लेन-देन, बिना डीजे और बैंड-बाजे के मात्र 17 मिनट में संपन्न हुआ।

दूल्हा–दुल्हन दोनों पक्षों के परिजन व मेहमान मंडप में उपस्थित रहे और दहेज-मुक्त, सरल व अनुकरणीय विवाह पद्धति को देखकर खुशी जाहिर की।

संत रामपाल जी महाराज द्वारा बनाए गए कड़े नियमों में नशामुक्ति और दहेज उन्मूलन पर विशेष बल दिया। साथ ही बताया कि शास्त्रानुकूल भक्ति करने से व्यक्ति नशा और अन्य सामाजिक बुराइयों से दूर हो जाता है,जीवन में अनेक लाभ प्राप्त करता है। इसी कारण उनके अनुयायियों की संख्या लगातार बढ़ रही है।

अन्नपूर्णा मुहिम और सेवा कार्य

संत रामपाल जी महाराज द्वारा संचालित 'अन्नपूर्णा मुहिम' के तहत जरूरतमंदों को रोटी, कपड़ा, शिक्षा और मकान उपलब्ध कराया जा रहा है। कई पात्र एवं गरीब परिवारों के मकान बनवाए जा रहे हैं।

हाल ही में बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में भी संत रामपाल जी महाराज के आश्रम की ओर से राहत सामग्री भेजी गई, जिससे स्थानीय लोगों को बड़ी राहत मिली।

समाज सुधार में महत्वपूर्ण योगदान

नशा उन्मूलन, दहेज प्रथा के विरोध, जरूरतमंदों की सहायता और शास्त्रानुकूल भक्ति के प्रसार के माध्यम से संत रामपाल जी महाराज समाज सुधार में महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं। धामपुर में आयोजित यह सत्संग भी इसी दिशा में एक और प्रभावी प्रयास साबित हुआ।

गौ सेवा आयोग के सदस्य दीपक गोयल ने जनपद के गौ आश्रय स्थलों का निरीक्षण किया गया

✷ एनसीआर टुडे. बिजनौर ✷

मुख्य पशुचिकित्साधिकारी बिजनौर लोकेश कुमार अग्रवाल ने जानकारी देते हुए बताया क आज गौ सेवा आयोग के मा० सदस्य दीपक गोयल द्वारा जनपद बिजनौर के गौ आश्रय स्थलों का निरीक्षण किया गया।

डॉ. लोकेश कुमार अग्रवाल, मुख्य पशुचिकित्साधिकारी, डॉ. संजय उप मुख्य पशु चिकित्साधिकारी चांदपुर द्वारा मा. सदस्य का स्वागत किया गया।

मा. सदस्य द्वारा वि.ख. हल्दौर अन्तर्गत संचालित वृहद गौ संरक्षण केन्द्र छाछरी टीप का निरीक्षण किया गया। गौआश्रय स्थल पर गौ आश्रय संचालक आर.के. सिंह, ए.डी.ओ. पंचायत, पशुधन प्रसार अधिकारी श्री बलराम, श्री संजय उपस्थित रहे। मा० सदस्य द्वारा गो आश्रय स्थल पर स्थापित गोबर गैस प्लांट को क्रियाशील किए जाने के निर्देश दिए गए। छोटे पशुओं के लिए अलग से पार्टिशन किए जाने के निर्देश दिए गए। भरण पोषण की व्यवस्था ठीक रखी जाए।

ट्रेनों से देशभर में भेजे जा रहे जूते...सीजीएसटी ने पकड़ी कारोबारियों की चालाकी, 16 हजार जोड़ी जब्त

आगरा , एजेंसी। आगरा में बनने वाले जूतों को कारोबारी बिना सरकार को टैक्स दिए फर्जी बिलों के बल पर ट्रेनों के जरिये यूपी के अन्य जिलों व विभिन्न राज्यों में भेज रहे हैं। इस काम को एजेंटों की मदद से किया जा रहा है। इसका खुलासा केंद्रीय वस्तु एवं सेवा कर (सीजीएसटी) आगरा की रविवार को की गई कार्रवाई से हुआ।

विभाग की टीम ने कलेक्ट्रेट के नजदीक एक गोदाम से 16 हजार जोड़ी से ज्यादा जूते जब्त किए हैं। टीम अब जूतों के कारोबारियों का पता लगा रही है। सीजीएसटी आगरा की एंटी इवेजन शाखा को सूचना मिली कि फर्जी बिलों के सहारे रेलवे पार्सल सेवा के जरिये देशभर में जूते भेजे जा रहे हैं। सूचना के आधार पर टीम ने कलेक्ट्रेट के नजदीक राधा वल्लभ की बगीची स्थित एक गोदाम पर शनिवार रात छापा मारा। रविवार रात तक चली कार्रवाई के दौरान गोदाम से बिना बिल के करीब 16 हजार जोड़ी पैक किए हुए जूते जब्त किए गए। इन जूतों की अनुमानित कीमत करीब सवा करोड़ रुपये है।

सूत्रों के अनुसार गोदाम संचालक अमित सिंह से हुई शुरुआती पूछताछ में पता चला है वह लंबे समय से जीएसटी से बचने के लिए जूतों की खेप फर्जी बिल के सहारे रेलवे पार्सल सेवा के माध्यम से लखनऊ, कानपुर, मेरठ व दिल्ली, पश्चिम बंगाल, बिहार, महाराष्ट्र और कर्नाट तक भेज रहा है। अब सीजीएसटी पकड़े गए माल के असली मालिक का पता लगा रही है।सूत्रों के अनुसार कार्रवाई के दौरान सीजीएसटी अधिकारियों ने गोदाम से कंप्यूटर, लैपटॉप और एजेंट अमित सिंह के मोबाइल जब्त किए हैं। इन इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के पूरे डाटा को खंगालकर यह जानने का प्रयास किया जाएगा कि वह कहां और किन लोगों से माल लेकर किन कारोबारियों को सप्लाई करता था। इन उपकरणों की जांच से जूतों की कालाबाजारी के नेटवर्क के राज खुलेंगे।

भागवत और योगी की मुलाकात से सनातनी चेतना के एजेंडे को रफ्तार, दोनों नेताओं के भाषण से मिले संकेत

लखनऊ, एजेंसी। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघ चालक मोहन भागवत और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की रविवार को दिव्य गीता प्रेरणा उत्सव कार्यक्रम के मंच पर मुलाकात हुई। इस दौरान दोनों के बीच हुई गुफ्तगू और फिर भाषणों में सनातन व हिंदुत्व के जिक्र ने सनातनी चेतना के एजेंडे की भावी दिशा का संकेत दे दिया। भागवत से गुफ्तगू के बाद योगी ने घुसपैठ से लेकर धर्मांतरण पर तीखा निशाना साधा।

इन सबके पीछे छिपे चेहरों को न सिर्फ चेताया बल्कि ललकारा। इन मुद्दों पर सरकार की रीति-नीति में किसी नरमी की संभावनाओं को नकार दिया। उनके तेवर बताते हैं कि यह मुलाकात सनातनी चेतना के एजेंडे को रफ्तार देगी।

सीएम ने घुसपैठियों को वापस उनके देश

भेजने और प्रदेश के हर जिले में अस्थायी डिटेंशन सेंटर बनाने का भी एलान कर दिया। योगी ऐसे सभी एजेंडों पर अधिक मुखरता से बात रख रहे हैं और नरमी के मूड में नहीं दिख रहे हैं। ये वही मुद्दे हैं, जिन पर संघ भी सक्रियता से काम कर रहा है। इसलिए माना जा रहा है कि संघ प्रमुख से सीएम योगी की यह मुलाकात आने वाले समय में इन्हीं एजेंडों को प्रमुखता से आगे बढ़ाएगी।

माना जा रहा है कि राममंदिर पर पीएम नरेंद्र मोदी के हाथों होने वाले ध्वजारोहण से करीब 48 घंटे पहले राजधानी में संघ प्रमुख से सीएम की मुलाकात में इन एजेंडों पर चर्चा जरूर हुई है। गीता के ज्ञान के सहारे योगी ने साफ कर दिया कि उनकी सरकार सांस्कृतिक पुनर्जागरण के उस एजेंडे पर गंभीरता से काम करने का संकल्प ले चुकी है जिसका उल्लेख पीएम मोदी ने अयोध्या में रामलला की प्राणप्रतिष्ठा में किया था। मोदी ने आज से करीब 22 माह पहले जो कुछ कहा था उसकी तैयारी का संकेत आज योगी के भाषण में दिखा।

सभी एजेंडे पूरे करने की तैयारी की मिली झलक

पीएम नरेंद्र मोदी ने तब कहा था कि यह सिर्फ एक मंदिर नहीं बल्कि राष्ट्र की सुरक्षा, सामाजिक समरसता, सांस्कृतिक चेतना, राष्ट्र गौरव का प्रतीक है। योगी ने उसी मंदिर पर ध्वजारोहण कार्यक्रम से पहले जब संघ प्रमुख की मौजूदगी में मिशनरियों की भूमिका पर सवाल उठाया, घुसपैठ खत्म करने का संकल्प जताया, धर्मांतरण पर हमला बोला, सियासी लाभ के लिए देश व समाज को बांटने और बहुसंख्यकों यानी हिंदुओं के हितों पर कुठाराघात करने वालों को न बख्शने की बात की तो साफ हो गया कि सनातनी सरोकारों पर सरकार आगे ज्यादा आक्रामक दिख सकती है। महाभारत और गीता के उल्लेख के साथ योगी ने धर्म और अधर्म के संघर्ष तथा आखिर में धर्म की जीत के उल्लेख के साथ साफ कर दिया कि सरकार अपने एजेंडे को अंजाम तक पहुंचाने के लिए पूरी तरह कमर कस चुकी है।

कार की टक्कर के बाद सड़क पर गिरा जूता कारीगर, गाड़ी में फंसकर 200 मी. घिसटती गई बाइक, खौफनाक मौत

आगरा , एजेंसी। आगरा के थाना ट्रांस यमुना क्षेत्र में रविवार दोपहर शाहदरा फ्लाईओवर पर एक कार ने बाइक सवार जूता कारीगर को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबर्दस्त थी कि बाइक सहित सवार कार में फंस गया। प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि चालक रुकने के बजाय कार को दौड़ाने लगा। इस पर युवक भी करीब 200 मीटर तक कार के साथ घिसटता हुआ चला गया। यह देखकर आसपास के निकल रहे लोग चीखने लगे। उन्होंने शोर मचा दिया। बाइक सवार की मौके पर ही मौत हो गई। सूचना पर पुलिस पहुंच गई। घटना के बाद गुस्साए परिजन शाहदरा पुलिस चौकी पहुंचे, लेकिन पुलिस ने उन्हें वहां से हटा दिया। आरोप है कि हादसे के बाद पकड़े गए आरोपी को छोड़ दिया।

बाई का बाजार, सिकंदरा निवासी प्रेम कुमार (21) जूता फैक्टरी में कारीगर था। रविवार सुबह वह दोस्तों के साथ फिरोजाबाद घूमने गया था। दोपहर करीब तीन बजे लौटते समय एत्मादपुर की ओर से तेजी से आ रही कार ने उसकी बाइक में पीछे से टक्कर मार दी। प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि टक्कर इतनी भीषण थी कि प्रेम कुमार सीधे कार के बोनट के नीचे फंस गए। इसके बावजूद चालक ने कार को रोका नहीं। युवक को सड़क पर घसीटता हुआ ले गया।

हादसा देखकर लोग पीछा करने लगे। बाद में कार से बाइक और प्रेम कुमार अलग हुए। इसके बाद चालक कार लेकर भाग गया। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। एक संदिग्ध कार को पकड़ लिया गया। वह पंक्चर खड़ी हुई थी। लोगों ने इसी कार से हादसे की आशंका जाहिर की। इस पर पुलिस ने सीसीटीवी कैमरों को देखा। डीसीपी सिटी अली अब्बास ने बताया कि हादसा करने वाली कार का पता नहीं चला है। इस पर संदेह के घेरे में आई कार को छोड़ दिया गया।

बहन की शादी की तैयारी कर रहे थे प्रेम कुमार

मृतक प्रेम कुमार बड़ी बहन की शादी की तैयारी कर रहा था। उसकी मौत से परिवार में कोहराम है। परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल है।

घर में घुसकर प्रेमिका की नृशंस हत्या, शादी से इन्कार करने पर नाराज था प्रेमी

मोहनलालगंज। धर्मावतखेड़ा गांव में रविवार दोपहर प्रेमी ने घर में घुसकर थर्माकोल काटने वाले कटर से बीएससी की छात्रा की गला रेतकर हत्या कर दी। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ हत्या के मामले में प्राथमिकी दर्ज कर उसे हिरासत में लिया है। पुलिस ने हत्या के पीछे दोनों के बीच चल रहे मनमुटाव को वजह बताया है।

धर्मावतखेड़ा गांव निवासी पूनम रावत एक निजी अस्पताल में काम करती हैं। रविवार दोपहर पूनम काम पर गई थीं। उनकी बड़ी बेटी प्रियांशी (19) और छोटी बेटी महक घर पर थीं। दोपहर लगभग 12.30 बजे बीबीडी लोनापुर निवासी आलोक रावत उनके घर पहुंचा। घर के भूतल पर मौजूद महक से प्रियांशी के बारे में पूछकर पहली मंजिल पर पहुंचा। यहां किचन में मौजूद प्रियांशी से किसी बात पर उसकी बहस हो गई। इस बीच आरोपी ने कटर निकाल कर प्रियांशी की गर्दन पर ताबड़तोड़ कई वार कर गला रेत दिया। गर्दन की नस कटने से खून से लथपथ प्रियांशी गला पकड़े चीखती हुई सीढ़ियों से नीचे उतरकर बरामदे तक पहुंची और दम तोड़ दिया। इस बीच आलोक बुलेट से भाग निकला।प्रियांशी की मां पूनम के मुताबिक, दो वर्ष पहले एक रिश्तेदार के तिलक में बेटी प्रियांशी (19) की मुलाकात आलोक रावत से हुई थी। इसके बाद दोनों में बातचीत होने लगी। कुछ दिन बाद आलोक ने शादी का प्रस्ताव रखा तो सभी लोग तैयार हो गए। बहन महक के मुताबिक, आलोक का घर आना जाना शुरू हो गया। लेकिन आलोक ने कई बार शराब के नशे में प्रियांशी के साथ मारपीट की। इस पर प्रियांशी ने शादी से इन्कार कर दिया।

दूरदर्शन केंद्र लखनऊ की 50वीं वर्षगांठ पर पांच विभूतियों का सम्मान

लखनऊ , एजेंसी। दूरदर्शन केंद्र लखनऊ की 50वीं वर्षगांठ पर आयोजित समारोह में मशहूर संगीतकार केवल कुमार समेत अलग-अलग क्षेत्रों में उत्कृष्ट योगदान करने वाली पांच विभूतियों को डीडी यूपी सम्मान से नवाजा गया। मुख्य अतिथि प्रसार भारती के अध्यक्ष नवनीत सहगल ने सभी को स्मृति चिह्न और अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया। सांस्कृतिक संध्या में मशहूर गायक उस्ताद अहमद हुसैन और मोहम्मद हुसैन ने अपनी दिलकश आवाज से संवारा। शायर शमीम जयपुरी ने गजलों से वाहवाही लूटी। डीडी यूपी कृषि सम्मान सैयद कल्बे हसन को, खेल सम्मान अंतरराष्ट्रीय धाविका व शूटर रचना गोविल को, चिकित्सा सम्मान डॉ. निशांत कुमार, संगीत सम्मान केवल कुमार को और डीडी यूपी साहित्य सम्मान प्रो. हरि शंकर मिश्र को दिया गया। चयन प्रक्रिया से जुड़े तीन जूरी सदस्यों पद्मश्री डॉ. विद्या विंदु सिंह, पद्मश्री प्रो. एसएन कुरील और पद्मश्री रामशरण वर्मा को भी सम्मानित किया गया। केंद्राध्यक्ष अनुपम स्वरूप और कार्यक्रम प्रमुख आत्म प्रकाश मिश्र ने अपने संबोधन में दूरदर्शन की जनसेवा में निभाई गई महत्वपूर्ण भूमिका पर विस्तार से प्रकाश डाला। इस अवसर पर एक लघु फिल्म भी प्रदर्शित की गई।

क्रिकेट फॉर ब्लाइंड :

नेपाल को हराकर भारत ने जीता पहला महिला टी-20 वर्ल्ड कप

कोलंबो, एजेंसी। भारतीय महिला ब्लाइंड क्रिकेट टीम ने फाइनल में नेपाल को 7 विकेट से हराया। इसी के साथ भारत ने पहला महिला टी20 वर्ल्ड कप क्रिकेट फॉर द ब्लाइंड जीतकर इतिहास रच दिया है। कोलंबो में खेले गए खिताबी मुकाबले में टॉस जीतकर पहले फील्डिंग करने का फैसला करते हुए भारत ने नेपाल को 20 ओवर में 114/5 रन पर रोक दिया। नेपाल ने 2.2 ओवर में कप्तान बिनीता पुन का विकेट गंवाया।

बिनीता 9 गेंदों में 5 रन बनाकर आउट हुईं। इसके बाद मीनाक्षी चौधरी ने सुषमा तमांग के साथ दूसरे विकेट के लिए 15 रन जोड़े। मीनाक्षी चौधरी टीम के खाते में 8 रन जोड़कर पवेलियन लौटीं। टीम ने 30 के स्कोर पर सुषमा (6) का विकेट भी गंवा दिया था। यहां से बिमला रानी ने सरिता घिमिरे के साथ चौथे विकेट के लिए 65 रन जुटाते हुए टीम को संभाला। बिमला 26 गेंदों में इतने ही रन बनाकर आउट हुईं, जबकि सरिता ने 38 गेंदों में नाबाद 35 रन बनाए।

भारत की तरफ से बी1 जमुना रानी टुडू और बी1 अनु कुमारी ने 1-1 विकेट हासिल किया। इसके जवाब में भारत ने 12.1 ओवरों में मुकाबला अपने नाम करते हुए खिताब जीता। भारत की शुरुआत कुछ खास नहीं रही। इस टीम ने 5 के स्कोर पर बी2 अनेका देवी (2) का विकेट गंवा दिया था। यहां से बी1 करुणा ने कप्तान बी3 दीपिका के साथ दूसरे विकेट के लिए 28 रन जुटाते हुए टीम को संभाला। दीपिका 6 रन बनाकर आउट हुईं। करुणा ने बी3 फुला सरेन के साथ तीसरे विकेट के लिए 51 रन जुटाते हुए भारत को जीत की दहलीज तक पहुंचा दिया। करुणा 27 गेंदों में 42 रन बनाकर आउट हुईं। यहां से फुला सरेन ने बी2 बसंती हांसदा के साथ अटूट साझेदारी करते हुए भारत को आसान जीत दिलाई।

फुला 27 गेंदों में 4 चौकों के साथ 44 रन बनाकर नाबाद रहीं, जबकि बसंती ने 13 रन टीम के खाते में जोड़े। नेपाल की तरफ से बी3 दिल्लीसरा धमाला ने 1 विकेट निकाला। भारत, नेपाल, पाकिस्तान, श्रीलंका, ऑस्ट्रेलिया और यूएसए समेत छह टीमों का यह टी20 टूर्नामेंट 11 नवंबर को नई दिल्ली में शुरू हुआ था।

इंडिया-दक्षिण अफ्रीका टेस्ट :

भारत पहली पारी में 201 रन पर ढेर, द. अफ्रीका ने बनाई 288 रन की बढ़त

नई दिल्ली, एजेंसी। माकर यानसन (6 विकेट) और साइमन हार्मर (3 विकेट) की बेहतरीन गेंदबाजी के दम पर दक्षिण अफ्रीका ने दूसरे टेस्ट मैच के तीसरे दिन सोमवार को लंच के बाद भारतीय टीम को 201 रनों के स्कोर पर समेटकर 288 रनों की बढ़त के साथ मैच पर अपना शिकंजा कस लिया है। भारत से पहली पारी में 288 रन से आगे रहने के बावजूद दक्षिण अफ्रीका ने फॉलोऑन नहीं कराया और दूसरी पारी में खेलने का फैसला किया। लंच के बाद 79वें ओवर में हार्मर ने वॉशिंगटन सुंदर को एडम मारक्रम के हाथों कैच आउटकर कर दक्षिण अफ्रीका को आठवीं सफलता दिलाई।

वॉशिंगटन सुंदर और कुलदीप यादव के बाद आठवें विकेट के लिए 72 रनों की साझेदारी हुई। वॉशिंगटन सुंदर ने 92 गेंदों में दो चौके और एक छक्का लगाते हुए 48 रनों की पारी खेली। भारत का आठवां विकेट194 के स्कोर पर गिरा। इसी स्कोर पर यानसन ने एक छोर थामे जुझारू बल्लेबाजी कर रहे कुलदीप यादव को आउट कर भारत को नौवां झटका दिया।

कुलदीप यादव ने 134 गेंदों में तीन चौके लगाते हुए 19 रन बनाए। इसके बाद यानसन ने 84वें ओवर की पांचवीं गेंद पर जसप्रीत बुमराह (पांच) को विकेटकीपर काइल वेरेन के हाथों कैच आउटकर कर 201 के स्कोर पर भारत की पहली पारी का अंत कर दिया। भारतीय टीम की शुरूआत तो अच्छी रही थी, जब राहुल और जायसवाल ने अर्धशतकीय साझेदारी की। लेकिन इसके बाद उनका कोई भी बल्लेबाज क्रीज पर नहीं टिक सका। माकर यानसन की अगुवाई में दक्षिण अफ्रीका ने बेहतरीन गेंदबाजी का प्रदर्शन करते हुए भारतीय बल्लेबाजो को कोई भी मौका नहीं दिया।

कुलदीप और वॉशिंगटन के बीच अर्धशतकीय साझेदारी जरूर हुई, लेकिन वह नाकाफी रही।

गोवा में खेली जाएगी लीजेंड्स प्रो टी20 लीग, हरभजन-धवन समेत ये दिग्गज खिलाड़ी लेंगे हिस्सा

नई दिल्ली, एजेंसी। लीजेंड्स प्रो टी20 लीग के पहले संस्करण का आयोजन अगले साल 26 जनवरी से 4 फरवरी के बीच गोवा में होगा। इसमें 6 फ्रेंचाइजी के 90 खिलाड़ी हिस्सा लेंगे, जिनमें हरभजन सिंह, शिखर धवन, शेन वॉटसन और डेल स्टेन जैसे दिग्गजों का नाम शामिल है। यह पूरा टूर्नामेंट वेर्ना में नवनिर्मित 1919 स्पोर्ट्स क्रिकेट स्टेडियम में आयोजित किया जाएगा। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान माइकल क्लार्क को लीग कमिश्नर नियुक्त किया गया है। अपनी नई भूमिका को लेकर माइकल क्लार्क ने बताया कि वह एक ऐसी लीग का हिस्सा बनकर रोमांचित हैं, जो इतने सारे शीर्ष खिलाड़ियों को एक साथ लाती है। माइकल क्लार्क ने कहा, 'भारत, क्रिकेट के सबसे बड़े घरों में से एक होने के नाते, मेरे लिए विशेष स्थान रखता है। फैंस का जुनून और पुराने दोस्तों और कड़े प्रतिद्वंद्वियों के साथ फिर से जुड़ने का मौका इसे वास्तव में खास बनाता है। मैं इस नई भूमिका में लीजेंड्स प्रो टी20 लीग का हिस्सा बनकर उत्साहित हूं। इतने सारे शीर्ष खिलाड़ियों को लीग में एकसाथ देखना रोमांचक है। गोवा एक शानदार वेन्यू है।

स्पिनर तारिक की हैट्रिक, पाकिस्तान टी20 त्रिकोणीय श्रृंखला के फाइनल में पहुंचा

रावलपिंडी, एजेंसी। रहस्यमयी स्पिनर उस्मान तारिक की हैट्रिक की बदौलत पाकिस्तान ने जिम्बाब्वे को 69 रन से हराकर टी20 त्रिकोणीय श्रृंखला के फाइनल में प्रवेश कर लिया। तारिक ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 18 रन देकर चार विकेट लिए जिससे ज़िम्बाब्वे 19 ओवर में 126 रन पर आउट हो गया। पाकिस्तान की यह टूर्नामेंट में लगातार तीसरी जीत है। टूर्नामेंट की तीसरी टीम श्रीलंका है। ज़िम्बाब्वे के लिए रयान बर्ल ने 49 गेंदों पर नाबाद 67 रन बनाए। उन्होंने रिचर्ड नगारवा (05) के साथ आखिरी विकेट के लिए 44 रन की साझेदारी की। इससे पहले बाबर आज़म (74) और साहिबज़ादा फरहान (63) के अर्धशतकों की बदौलत पाकिस्तान ने 20 ओवरों में पांच विकेट पर 195 रन बनाए।

अजलन शाह कप :

अजलन शाह कप में भारत का जीत से आगाज, दक्षिण कोरिया को 1-0 से हराया

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय टीम छह साल के अंतराल के बाद इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में भाग ले रही है। मैच के 15वें मिनट में दिलप्रीत सिंह के बनाए मौके को राहील ने गोल में बदल कर टीम का खाता खोला और वह जीत का सूत्रधार बना।

मोहम्मद राहील के पहले क्वार्टर में किए गए इकलौते गोल की बदौलत युवा खिलाड़ियों से सजी भारतीय टीम ने रविवार को सुल्तान अजलन शाह कप हॉकी टूर्नामेंट के पहले मैच में तीन बार की चैंपियन दक्षिण कोरिया को 1-0 से हरा दिया। भारतीय टीम छह साल के अंतराल के बाद इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में भाग ले रही है। मैच के 15वें मिनट में दिलप्रीत सिंह के बनाए मौके को राहील ने गोल में बदल कर टीम का खाता खोला।

भारत की जीत में टीम के मिडफील्ड में दबदबे का मुख्य योगदान रहा जिसका श्रेय अभिषेक और टीम के कप्तान संजय को जाता है। ये दोनों खिलाड़ी पेरिस ओलंपिक में कांस्य पदक जीतने वाली भारतीय टीम का हिस्सा थे। भारतीय खिलाड़ियों ने दोनों ओर से लगातार आक्रमण कर कोरिया की रक्षापंक्ति पर दबाव बनाये रखा। मैच के चौथे मिनट में ही टीम ने पेनल्टी कॉर्नर हासिल किया लेकिन संजय उसे गोल में बदलने में नाकाम रहे। पांच बार की चैंपियन भारतीय टीम ने इससे पहले 2019 में इस टूर्नामेंट में हिस्सा लिया था। तब टीम फाइनल में कोरिया से हारकर उपविजेता रही थी।

कोरिया ने दूसरे क्वार्टर में वापसी के लिए जोर लगाया और टीम को इसका फायदा 27वें मिनट में मिला। उनके अग्रिम पंक्ति का एक खिलाड़ी गेंद के साथ भारतीय गोल पोस्ट के पास पहुंचने में सफल रहा लेकिन डाइव लगाकर प्रयास करने के बाद बावजूद वह इसे गोल में नहीं बदल पाया। भारतीय खिलाड़ियों ने इसके बाद बेहतर सामंजस्य दिखाया और आखिरी दो क्वार्टर में कोरिया को ज्यादा मौके नहीं दिये। इस दौरान टीम ने पेनल्टी कॉर्नर हासिल किया लेकिन अभिषेक का प्रयास गोल से दूर रहा। इस मुकाबले को भारतीय समयानुसार दोपहर डेढ़ बजे शुरू होना था लेकिन बारिश के कारण मैच छह घंटे की देरी से शुरू हुआ। भारत सोमवार को बेल्जियम से भिड़ेगा। राउंड-रॉबिन प्रारूप में प्रत्येक टीम अन्य पांच टीमों से एक-एक बार खेलेगी, जिसमें विजेता को तीन अंक मिलेंगे और ड्रॉ पर एक अंक मिलेगा।

ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए राहुल होंगे कप्तान

नई दिल्ली, एजेंसी। साउथ अफ्रीका के खिलाफ 30 नवंबर से होने जा रही तीन मैचों की वनडे सीरीज के लिए भारतीय टीम की घोषणा 23 नवंबर (रविवार) को हुई. इस वनडे सीरीज में भारतीय टीम की कप्तानी केएल राहुल संभालते नजर आएंगे. नियमित कप्तान शुभमन गिल नेक इंजरी के चलते सेलेक्शन के लिए उपलब्ध नहीं थे, वहीं श्रेयस अय्यर भी इंजरी के कारण अभी कुछ महीनों तक क्रिकेटिंग एक्शन से दूर रहने वाले हैं. इसी वजह से विकेटकीपर बल्लेबाज राहुल को ये जिम्मेदारी सौंपी गई है.

भारतीय टीम ने आखिरी ओडीआई सीरीज पिछले महीने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ उसी की धरती खेली थी. तब शुभमन गिल अगुवाई में टीम इंडिया को तीन मैचों की वनडे सीरीज में 1-2 से हार झेलनी पड़ी थी. ऑस्ट्रेलिया दौरे पर वनडे टीम का हिस्सा रहे चार खिलाड़ी साउथ अफ्रीका के खिलाफ आगामी ओडीआई सीरीज का हिस्सा नहीं होंगे. इनमें शुभमन गिल, श्रेयस अय्यर, अक्षर पटेल और मोहम्मद सिराज शामिल हैं. शुभमन और श्रेयस का चोट के चलते बाहर रहना तय था. वहीं तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज को वर्कलोड मैनेजमेंट के तहत रेस्ट दिया गया है.

जबकि बाएं हाथ के ऑलराउंडर अक्षर पटेल ड्रॉप हुए. ऋतुराज-तिलक की लंबे समय बाद वापसी इन चारों के स्थान पर ऋतुराज गायकवाड़, तिलक वर्मा, रवींद्र जडेजा और ऋषभ पंत को वनडे टीम में चुना गया है. ऋतुराज ने भारत के लिए आखिरी वनडे इंटरनेशनल मुकाबला 19 दिसंबर 2023 को साउथ अफ्रीका के खिलाफ ही गकेबरहा में खेला था. जबकि तिलक वर्मा भी अपना आखिरी ओडीआई मुकाबला 21 दिसंबर 2023 को इसी टीम के खिलाफ पार्ल में खेलने उतरे थे. अब दोनों खिलाड़ियों की लगभग 2 साल बाद वनडे टीम में वापसी हुई है.

प्रांजलि ने महिला 25 मीटर पिस्टल में जीता स्वर्ण, बधिर ओलंपिक में अपने नाम किया तीसरा पदक

टोक्यो, एजेंसी। प्रांजलि का टोक्यो में हो रहे बधिर ओलंपिक में यह तीसरा पदक है। इससे पहले वह अभिनव देशवाल के साथ मिश्रित पिस्टल इवेंट में स्वर्ण और महिला एयर पिस्टल में रजत पदक अपने नाम कर चुकी हैं। प्रांजलि प्रशांत धूमल ने शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए महिला 25 मीटर पिस्टल वर्ग में स्वर्ण पदक जीता। प्रांजलि का टोक्यो में हो रहे बधिर ओलंपिक में यह तीसरा पदक है। इससे पहले वह अभिनव देशवाल के साथ मिश्रित पिस्टल इवेंट में स्वर्ण और महिला एयर पिस्टल में रजत पदक अपने नाम कर चुकी हैं। यूक्रेन की मोसिना हलिना ने रजत और कोरिया की जियोन जिवोन ने कांस्य पदक अपने नाम किया।

विश्व रिकॉर्ड के साथ फाइनल में किया था प्रवेश

भारत की एक अन्य खिलाड़ी और महिलाओं की एयर पिस्टल स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीतने वाली अनुया प्रसाद चौथे स्थान पर रहीं। प्रांजलि ने 600 में से 573 अंक के नए क्वालिफिकेशन विश्व रिकॉर्ड के साथ फाइनल में प्रवेश किया था। रविवार को अभिनव देशवाल ने पुरुषों की 25 मीटर पिस्टल स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता था जो बधिर ओलंपिक की निशानेबाजी प्रतियोगिता में भारत का 15वां पदक था।

पैट कमिंस को लेकर कोच एंड्रयू मैकडोनाल्ड ने दिया अपडेट

पर्थ, एजेंसी। इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे टेस्ट से पहले पैट कमिंस पूरी ताकत के साथ गेंदबाजी कर रहे हैं। ऑस्ट्रेलियाई हेड कोच एंड्रयू मैकडोनाल्ड को लगता है कि कमिंस का रिहैबिलिटेशन पूरा होने वाला है। हालांकि, कोच ने स्पष्ट तौर पर कहा है कि ब्रिस्बेन में दूसरे एशेज टेस्ट में कमिंस के खेलने पर आखिरी फैसला कुछ समय बाद लिया जाएगा। पैट कमिंस सोमवार के बजाय मंगलवार को अपना बॉलिंग सेशन करेंगे।

ऑस्ट्रेलियाई सिलेक्टर जल्द ही उनकी वापसी की तैयारी पर चर्चा करने वाले हैं। अगर कमिंस ब्रिस्बेन टेस्ट में वापसी करते हैं और मैच पूरे पांच दिन चलता है, तो भी एडिलेड में तीसरा टेस्ट खेले जाने तक उन्हें एक हफ्ते से ज्यादा दिनों का आराम मिलेगा। कोच एंड्रयू मैकडोनाल्ड ने कहा, 'ऐसा लग रहा था कि पैट कमिंस अपने रिहैबिलिटेशन के पूरा होने के करीब हैं। उनकी गेंदों में गति थी। कमिंस के साथ काफी सकारात्मक चीजें हैं। इस टेस्ट मैच से पहले उनकी वापसी पर चर्चा होगी। हो सकता है कि यह हमारे लिए देरी से हो। उन्हें थोड़ा काम करना है, लेकिन वह वापसी के करीब हैं। ' इस बीच तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड हैमस्ट्रिंग चोट से उबर रहे हैं। मैकडोनाल्ड ने एशेज में उनकी वापसी के लिए कोई समयसीमा तय करने से इनकार कर दिया है।

कोच मैकडोनाल्ड ने कहा, 'हेजलवुड अपने रिहैब के पहले हफ्ते में हैं। एक बार जब वह फिट हो जाएंगे, तो हम उनकी वापसी के बारे में बताने की स्थिति में होंगे। मुझे पता है कि वह सीरीज में उपलब्ध होंगे। यह तय करने के लिए कि वह सीरीज के किस मुकाबले में खेलेंगे, उन्हें थोड़ा रिहैब करना होगा, लेकिन हमें उम्मीद है कि वह सीरीज में खेलेंगे।

ऑस्ट्रेलियाई टीम पांच मुकाबलों की टेस्ट सीरीज में 1-0 से आगे है। पर्थ स्टेडियम में खेले गए मुकाबले को ऑस्ट्रेलिया ने 8 विकेट से जीता था। सीरीज का दूसरा मुकाबला 4 दिसंबर से खेला जाना है।

डेफलिंपिक्स 2025: डेफलिंपिक्स में चमका भारत, 25 मीटर पिस्टल में अभिनव देशवाल ने रिकॉर्ड के साथ जीता स्वर्ण

नई दिल्ली, एजेंसी। फाइनल में अभिनव ने शुरुआत से ही बेहतरीन प्रदर्शन किया। उन्होंने पहले पांचों शॉट्स में सटीक निशाना लगाया और दूसरी सीरीज में चार हिट किए। इसके बाद उन्होंने अगले 20 में से 18 शॉट्स लक्ष्य पर लगाए, जिनमें दो बार पांचों के पांच हिट शामिल रहे। अंतिम दौर में उन्होंने तीन हिट किए, जो उनका सबसे कम स्कोर था, लेकिन तब तक बढ़त इतनी मजबूत थी कि स्वर्ण पदक पक्का हो गया। भारत के निशानेबाज अभिनव

देशवाल ने रविवार को डेफलिंपिक्स में 25 मीटर पिस्टल स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीतकर इतिहास रच दिया। उन्होंने क्वालिफिकेशन में रिकॉर्ड प्रदर्शन करते हुए फाइनल में भी शानदार खेल दिखाया और कुल 44 अंक के साथ पहले स्थान पर रहे। दक्षिण कोरिया के सियुंग ह्वा ली 43 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर रहे, जबकि यूक्रेन के सेरही फॉरमिन ने कांस्य पदक जीता। भारत के दूसरे प्रतिभागी चेतन हनमंत सपकाल पांचवें स्थान पर रहे। फाइनल में अभिनव ने शुरुआत से ही बेहतरीन प्रदर्शन किया। उन्होंने पहले पांचों शॉट्स में सटीक निशाना लगाया और दूसरी सीरीज में चार हिट किए। इसके बाद उन्होंने अगले 20 में से 18 शॉट्स लक्ष्य पर लगाए, जिनमें दो बार पांचों के पांच हिट शामिल रहे।

अंतिम दौर में उन्होंने तीन हिट किए, जो उनका सबसे कम स्कोर था, लेकिन तब तक बढ़त इतनी मजबूत थी कि स्वर्ण पदक पक्का हो गया। क्वालिफिकेशन राउंड में भी अभिनव का प्रदर्शन शानदार रहा। उन्होंने 575-13× के स्कोर के साथ वर्ल्ड डेफ क्वालिफिकेशन रिकॉर्ड और डेफलिंपिक्स रिकॉर्ड की बराबरी की।